हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, रविवार, 21 अप्रैल 2024

12 गिरफ्तार किसानों को पुलिस ने निजी मुचलके पर किया रिहा

12 क्रेसेंट पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस मनाया गया

खबर संक्षेप

जिले से बच्चों सहित दो विवाहिताएं लापता, केस

फतेहाबाद। जिले में दो अलग-अलग स्थानों से दो विवाहिताओं के बच्चों सहित लापता होने का समाचार है। इस बारे पुलिस को दी शिकायत में वाल्मीकि मोहल्ला निवासी एक व्यक्ति ने कहा है कि उसकी 21 वर्षीय पुत्रवधू गत दिवस अपने 3 साल की बेटी के साथ काम पर जाने की बात कहकर घर से गई थी और उसके बाद वह वापस घर नहीं लौटी है। इस पर उन्होंने मां-बेटी की काफी तलाश की लेकिन जब कुछ पता नहीं चला तो उसने इस बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। उसने बताया कि उसकी पुत्रवधू ने अपने बैंक खाते से 10 हजार रुपये भी निकलवाए हैं।

महमड़ा से पुलिस ने बरामद किया डोडा पोस्त

फतेहाबाद। झगड़े की सूचना पर गांव महमड़ा पहुंची पुलिस टीम ने खेत में पड़े पाउचों से डोडा पोस्त बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार थाना सदर रतिया के अंतर्गत आने वाली महमड़ा पुलिस चौकी की टीम एएसआई सतीश कुमार के नेतृत्व में गश्त के दौरान गांव बबनपुर में मौजूद थी। इसी दौरान उन्हें डायल 112 से सूचना मिली कि गांव महमड़ा में निकुआना रोड पर ढाणियों में झगड़ा हो गया है। इस सूचना पर वे पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और वहां मौजूद सरपंच देवीलाल नंबरदार से बात करते हुए महमड़ा से निकुआना रोड पर जा रही थी।

खेत गए युवक का मोटरसाइकिल चोरी

फतेहाबाद। वाहन चोर ने गांव सलेमपुर में खेत से एक मोटरसाइकिल चोरी कर लिया। इस बारे सदर टोहाना पुलिस को दी शिकायत में गांव धारसूल कलां निवासी मनप्रीत ने कहा है कि वह हिसार में बीएससी का छात्र है। गत दिवस वह अपने घर से मोटरसाइकिल पर सवार होकर गांव सलेमपुरी स्थित अपने खेत में गया था। उसने अपने मोटरसाइकिल को खेत के पास खड़ा किया और काम पर चला गया। कुछ देर बाद जब वह वापस आया तो उसने देखा कि वहां से उसका मोटरसाइकिल गायब था।

90 बोतल अवैध शराब सहित पांच काबू

सिरसा। जिला की विभिन्न पुलिस टीमों ने विशेष अभियान के तहत पांच व्यक्तियों को काबू कर उनके कब्जे से 90 बोतल अवैध शराब बरामद की है। जिला की स्पेशल स्टाफ सिरसा पुलिस ने गश्त व चैकिंग के दौरान महत्वपूर्ण सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए शहर की डबवाली रोड सिरसा क्षेत्र से रामावतार निवासी चतरगढ़ पट्टी सिरसा को 30 बोतल अवैध शराब के साथ काबू किया है। एक अन्य घटना में रानियां थाना पुलिस ने महाबीर निवासी भड़ोल्यांवाली को उसी के गांव से 17 बोतल अवैध शराब के साथ काबू किया है। वहीं एक अन्य घटना में रोड़ी थाना पुलिस ने महेंद्र सिंह निवासी रोहन को 15 बोतल देसी शराब के साथ काबू किया है।

चेतावनी : लिफ्टिंग तेज न हुई तो एसडीएम कार्यालय के बाहर गेहूं डालकर डेरा डालेंगे किसान

खरीद केन्द्र पर शुरू ही नहीं हुई गेहूं की लिफ्टिंग, खफा किसानों ने किया प्रदर्शन

- लिफ्टिंग न होने से किसानों में काफी गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

टोहाना के गांव ठरवा खरीद केन्द्र से अब तक एक भी बोरी गेहूं का उठान नहीं हुआ है। इसके अलावा भीषण गर्मी में गेहूं लेकर आए किसानों के लिए न पीने के लिए पानी की सुविधा है और न ही बैठने के लिए छाया शैड। ऐसे में लिफ्टिंग न होने से किसानों में काफी गुस्सा है। मंडियों में किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के शासन और प्रशासन के दावे फेल साबित हो रहे है। मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाने व गेहूं का उठान तेज करवाने की मांग को लेकर शनिवार को किसानों ने ठरवां अनाज मण्डी में किसानों ने सरकार व प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की। किसानों ने चेतावनी दी कि अगर मण्डी से गेहूं का उठान तेज नहीं हुआ तो वे एसडीएम कार्यालय के बाहर गेहूं डालकर वहीं डेरा डालकर बैठ जाएंगे। बता दें कि ठरवा में अब तक 1088 एमटी गेहूं की खरीद की गई है

फतेहाबाद। गेहूं उठान व मूलभूत सुविधाओं को लेकर ठरवां अनाज मंडी में प्रदर्शन करते किसान।

लेकिन यहां अभी लिफ्टिंग का काम ही शुरू नहीं हो पाया है। ठरवा अनाजमंडी में गेहूं की फसल बेचने आए किसान सुनील कुमार, बंसीलाल ज्याणी, बलवीर सिंह समैन, रण सिंह ठरवी, अनूप ठरवा, कमल ज्याणी ने कहा कि खरीद केन्द्र पर काफी संख्या में किसान अपनी गेहूं लेकर आए हुए है। जगह-जगह गेहूं की ढेरियां लगी हुई हैं लेकिन खरीद एजेंसियों द्वारा अभी तक गेहूं लिफ्टिंग का काम शुरू नहीं किया गया है, जिससे किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने कहा कि मंडी में स्थानीय प्रशासन द्वारा अभी तक किसानों के लिए शौचालय, पीने के शुद्ध पानी और रात के वक्त रोशनी का प्रबंध नहीं है। मंडी में रोशनी का प्रबंध न होने की वजह से रात के अंधेरे में गेहूं चोरी के डर से किसानों को पूरी रात जागकर गुजारनी पड़ रही है। किसानों ने कहा कि इस समय मण्डी में गेहूं की आवक काफी तेज हो गई है लेकिन समय पर गेहूं का उठान न होने की वजह से किसानों का सोना खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। इस कारण किसान और आढ़ती दोनों परेशान हैं लेकिन किसानों की सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। किसानों ने कहा कि गेहूं का उठान न होने के कारण सैंकड़ों किसानों का भुगतान नहीं हो पा रहा है। स्थिति यह बनी हुई है कि खरीदा गया गेहूं मंडी के प्लेटफार्म एवं फडों पर पड़ा हुआ है वहीं अब बारिश आ जाती है तो उनकी गेहूं की फसल खराब हो सकती है।

मंडियों से गेहूं उठान कार्य करने के इच्छुक व्यापार मंडल व आढ़ती उपलब्ध करवाए ट्रक

फतेहाबाद। जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक विनीत कुमार ने उपायुक्त राहुल नरवाल द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों की अनुपालना में व्यापार मंडल व आढ़तियों से कहा है कि जो भी कोई मंडियों से गेहूं उठान कार्य करने के इच्छुक हैं वे संबंधित एजेंसियों से संपर्क करके अपने ट्रक उपलब्ध करवा सकते हैं ताकि उठान कार्य में तेजी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि उठान कार्य की अदायगी उस मंडी के जिला टैंडर कमेटी द्वारा निर्धारित किए गए रेट अनुसार संबंधित एजेंसी द्वारा तत्काल कर दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों को उनकी फसल की अदायगी सरकार द्वारा निर्धारित समय में करवाई जाएगी। डीएफएससी विनीत कुमार ने बताया कि रबी खरीद सीजन 2024-25 का गेहूं खरीद का कार्य चल रहा है। इस बार गेहूं की बंपर पैदावार होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अगर मंडियों से गेहूं की फसल का उठान जल्द होगा तो मंडियों में जाम लगने की संभावना नहीं होगी।

1 लाख 84 हजार एमटी गेहूं पड़ा खुले आसमान के नीचे

फतेहाबाद अनाज मण्डी में गेहूं की लिफ्टिंग न होने से हालात बिगड़े हुए हैं। प्रशासन की चेतावनी के बावजूद यहां उठान के काम में तेजी नहीं आ रही है। शनिवार शाम तक जिले में 2 लाख 34 हजार 773 एमटी गेहूं की आवक हुई थी। इसमें से मात्र 50 हजार एमटी गेहूं की ही लिफ्टिंग हो पाई है। एक लाख 84 हजार 749 एमटी गेहूं मण्डियों में पड़ी हुई है। यानि की कुल खरीद का केवल 21 फीसदी गेहूं का उठान हो पाया है।

वेयर हाऊस का बारदाना नहीं आया मंडियों में

फतेहाबाद व्यापार मंडल अनाज मण्डी के प्रधान जगदीश भादू ने कहा कि जब तक डीएफएससी गेहूं की खरीद नहीं करती, तब तक खरीद और लिफ्टिंग में तेजी नहीं आ सकती। ठेकेदार के पास उठान के लिए पर्याप्त ट्रक नहीं है। अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। भादू ने कहा कि हरियाणा वेयर हाऊस ने सोमवार को पहली खरीद की थी। उसके लिए ही अभी तक मण्डियों में बारदाना नहीं पहुंचा।

चालक और परिचालकों को कंडक्टर लाइसेंस बनवाने के लिए देंगे ट्रेनिंग

- चालक व परिचालकों को ट्रेनरों द्वारा फर्स्ट एड होम व सीपीआर ट्रेनिंग तथा फर्स्ट एड के दिए जाएंगे टिप्स

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी व सैंट जॉहन एंबुलेंस, भारत द्वारा उन चालक, परिचालकों के लिए स्कूल व कॉलेज स्तर पर ही बैच बनाकर फर्स्ट एड, होम नर्सिंग की ट्रेनिंग देकर कंडक्टर लाइसेंस बनवाया जाएगा, जिनके पास अभी तक कंडक्टर लाइसेंस नहीं है और जिन्होंने फर्स्ट एड होम नर्सिंग की प्रोफेशनल ट्रेनिंग नहीं की है।

राहुल नरवाल।

यह जानकारी देते हुए उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष राहुल नरवाल ने बताया कि निजी शिक्षण संस्थान को चालक व परिचालक को ट्रेनिंग करने के लिए दूर दराज के क्षेत्र से रेडक्रॉस कार्यालय ना आना पड़े, इसके लिए रेडक्रॉस सचिव श्याम सुंदर और जिला प्रशिक्षण अधिकारी दलबीर सिंह स्कूलों में ही बैच बनाकर स्कूल के समय व सुविधा अनुसार फर्स्ट एड होम नर्सिंग की ट्रेनिंग व सीपीआर की ट्रेनिंग देंगे। वर्तमान में जिला रेडक्रॉस कार्यालय व किसान रेस्ट हाउस टोहाना में यह ट्रेनिंग करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि स्कूलों में चालक व परिचालक का कार्य बाधित ना हो, इसलिए स्कूल स्तर पर ही यह ट्रेनिंग करवाई जाएगी। अभी तक 10 से अधिक शिक्षण संस्थानों में 100 से अधिक चालक व परिचालकों को फर्स्ट एड की ट्रेनिंग देकर उन्हें भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके हैं। रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा 60 दिनों में जिले के सभी शिक्षण संस्थानों में चालक व परिचालकों को फर्स्ट एड व सीपीआर की ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा गया है जिसके लिए ट्रेनर भी तैयार किए गए हैं। उपायुक्त राहुल नरवाल ने बताया कि जो चालक व परिचालक 10वीं पास हैं, उन्हें फर्स्ट एड होम नर्सिंग की ट्रेनिंग देकर कंडक्टर लाइसेंस के लिए तैयार किया जाएगा। जो 10वीं पास नहीं है उन्हें सीपीआर की ट्रेनिंग व फर्स्ट एड के टिप्स देकर भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, नई दिल्ली द्वारा प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। इसी प्रकार से 8 दिवसीय प्रोफेशनल फर्स्ट एड होम नर्सिंग ट्रेनिंग करने वाले चालक व परिचालक को सैंट जॉहन, भारत द्वारा फोटो युक्त प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा जिसके आधार पर आरटीए कंडक्टर लाइसेंस जारी करेगा। उन्होंने बताया कि जो स्कूल संचालक यह ट्रेनिंग करवाएंगे वे डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आईआरसीएसएफए डॉट ओआरजी पर पंजीकरण करवा सकते हैं।

लिफ्टिंग में देरी कर रहे ठेकेदारों के खिलाफ होगी कार्रवाई : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

उपायुक्त आर के सिंह ने कहा कि जिला की अनाज मंडियों से फसल के उठान कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई न बरती जाए, अन्यथा इसके लिए जिम्मेदार ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन के साथ-साथ आढती व ठेकेदार की भी समान जिम्मेवारी है, इसलिए तेजी से काम करते हुए 24 घंटे के अंदर-अंदर सभी मंडियों में आई हुई फसल की शत प्रतिशत लिफ्टिंग की जाए। उपायुक्त शनिवार को स्थानीय लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में जिला की अनाज मंडी

सिरसा। आढ़तियों व ठेकेदारों की बैठक लेते उपायुक्त।

एसोसिएशन के प्रधान, मार्केट कमेटी सचिव, अधिकारियों व ठेकेदारों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त डा. विवेक भारती, एसडीएम सिरसा राजेंद्र कुमार, एसडीएम ऐलनाबाद डा. वेद प्रकाश बेनीवाल, एसडीएम डबवाली अभय सिंह, एसडीएम कालांवाली सुरेश रावेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। उपायुक्त ने कहा कि इस उठान कार्य में और तेजी लाई जाए तथा उठान की मात्रा को बढ़ाया जाए। जो ठेकेदार इस कार्य में लेटलतीफी करता है तो उसके खिलाफ जरूरी कार्यवाही अमल में लाई जाए।

गारमेंट्स एवं स्पोर्ट्स वियर की दुकान में लगी आग

- लाखों का कपड़ा और मशीन जलकर राख
- फतेहाबाद व भूना के दमकल कर्मचारियों ने पड़ोस की दीवार तोड़कर आग पर काबू पाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भूना

उकलाना रोड पर शर्मा अस्पताल के नजदीक अत्री गारमेंट्स एवं स्पोर्ट्स वियर की होलसेल दुकान में बिजली के शार्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग से दुकान में रखा लाखों रुपये का कीमती कपड़ा एवं मशीन जलकर राख हो गई। आग लगने के कारण आसपास के दो अस्पतालों के संचालकों एवं मरीजों में हड़कंप मच गया। आगजनी की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड फतेहाबाद व भूना की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची, लेकिन आग की लपटों के चलते दमकल कर्मचारी मुख्य गेट से अन्दर नहीं जा पा रहे थे। ऐसे में उन्होंने साथ के मकान की दीवार को तोड़कर उग्र रूप धारण कर चुकी आग पर काबू पाया। दुकान संचालक प्रवेश शर्मा ने बताया कि शनिवार दोपहर बाद अचानक बिजली के शार्ट सर्किट के चलते स्पोर्ट्स कपड़ों में आग लग गई। देखते ही देखते आग पूरी फैक्ट्री में फैल गई। घटना को लेकर पुलिस कंट्रोल रूम, दमकल विभाग फतेहाबाद तथा भूना में मोबाइल फोन के द्वारा तुरंत मदद के लिए गुहार लगाई गई। आगजनी की सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन रमेश कुमार वर्मा मौके पर पहुंचे। फैक्ट्री का मुख्य द्वार छोटा होने और आग की लपटें फैलने एवं बाहर निकलने के कारण पड़ोस के मकान की दीवार को तोड़कर अथक प्रयासों के बाद आग को बुझाया गया।

भूना। दुकान में आग के बाद जला हुआ सामान।

भूना। दुकान में आग के बाद कागजी कार्रवाई करते अग्निशमनकर्मी।

नुकसान का आंकलन किया जा रहा

दुकान संचालक प्रवेश शर्मा ने बताया कि आगजनी की इस घटनों में लाखों रुपये का कीमती कपड़ा, 10 मशीनें व स्पोर्टस तथा गारमेंट्स का सामान बुरी तरह से जल गया है। नुकसान को लेकर आंकलन किया जा रहा है, मगर अनुमानित 13 लाख से भी अधिक का सामान आग की भेंट चढ़ गया। उन्होंने नुकसान की भरपाई के लिए विधायक के माध्यम मुख्यमंत्री से उचित मुआवजा दिलवाने की गुहार लगाई है।

आवारा कुत्तों के आतंक से परेशान हुडा सेक्टरवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

वार्ड नंबर 3 स्थित सिरसा शहर की पाश कॉलोनी हुडा सेक्टर में पिछले एक वर्ष से आवारा कुत्तों ने आतंक फैलाया हुआ है। वार्ड नंबर 3 के पूर्व पार्षद रमेश मेहता ने बताया कि सेक्टर-20 की गलियों में आवारा कुत्तों के झुंड दिनरात घूमते रहते हैं और आने जाने वाले बच्चों, बुजुगारें एवं राहगीरों पर अचानक टूट पड़ते हैं। इस समस्या के चलते सेक्टरवासी बहुत भयभीत हैं और घर से बाहर निकलने से भी कतराते हैं। उन्होंने बताया कि इसी एक महीने में कुत्तों के काटने की 20-25 घटनाएं यहां हो चुकी हैं। नगरपरिषद प्रशासन को बार-बार अवगत करवाने के बाद भी अधिकारियों के कानों पर जूं नहीं रेंग रही और वे एक ही रटा रटाया जवाब देते हैं कि नगरपरिषद ने कुत्तों की नसबंदी करने का टेंडर जारी कर दिया है, जल्द ही ठेकेदार को वर्क आर्डर जारी कर दिया जाएगा। मेहता ने आरोप लगाया कि पिछले 6 महीनों से अभी तक कोई ठेकेदार कुत्तों की नसबंदी करने नहीं आया और दिन-ब-दिन आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ती जा रही है।

एसपी ने ली जांच अधिकारियों की बैठक

- बोले, लंबित मामलों को शीघ्र निपटाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने शनिवार को सभी थानों के जांच अधिकारियों की बैठक लेकर उनके कायार्ं की समीक्षा कर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने सभी जांच अधिकारियों को निर्देश दिए कि उनके पास फरियाद लेकर आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की गंभीरता से सुनवाई करें तथा उन्हें शीघ्र न्याय दिलाने का प्रयास करें। सभी जांच अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे विभिन्न लंबित मामलों को शीघ्र निपटाएं तथा जिन मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी बकाया है, महत्वपूर्ण सुराग जुटाते हुए उन्हे शीघ्र गिरफ्तार करें। उन्होंने कहा कि थाने में आने वाले पीड़ित व्यक्ति के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार कर उसकी बात को गंभीरता से सुनें तथा तत्काल कार्रवाई करें ताकि पीड़ित व्यक्ति अपने आप को सुरक्षित महसूस करें तथा समाज में पुलिस की एक बेहतर छवि नजर आए। पुलिस अधीक्षक ने सभी थानों के जांच अधिकारियों से कहा कि आमजन के सहयोग से महत्वपूर्ण सुराग प्राप्त कर अनसुलझे मामलों को शीघ्र सुलझाएं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अगर किसी जांच अधिकारी के क्षेत्र व बीट में नशा बिकेगा या फिर कोई आपराधिक वारदात हुई तो संबंधित जांच अधिकारी के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

सिरसा। एसपी पुलिस अधिकारियों की बैठक लेते हुए।

फतेहाबाद। शहर में फ्लैग मार्च निकालते पुलिस व आरएएफ के जवान।

लोकसभा चुनावों को लेकर पुलिस ने फतेहाबाद शहर में निकाला फ्लैग मार्च

फतेहाबाद। लोकसभा चुनावों को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न करवाने को लेकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। लोग बिना किसी भय के मतदान कर सके इसको लेकर फतेहाबाद पुलिस द्वारा शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी के दिशा निर्देशन में शहर फतेहाबाद पुलिस ने उपपुलिस अधीक्षक जयपाल सिंह के नेतृत्व में यह फ्लैग मार्च निकाला। पुलिस व आरएएफ के सैंकड़ों जवानों ने शहर फतेहाबाद के विभिन्न हिस्सों व बाजारों में फ्लैग मार्च निकाल कर अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। कानून व्यवस्था और शांति कायम रखने के लिए पुलिस कर्मचारियों ने आम नागरिकों से शांतिपूर्ण मतदान प्रक्रिया में सहयोग करने की अपील की। उप पुलिस अधीक्षक जयपाल सिंह के नेतृत्व में निकाले गए इस फ्लैग मार्च में शहर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर रंजीत सिंह, बस अड्डा पुलिस चौकी टीम, गुरुनानकपुरा व हुडा सैक्टर पुलिस चौकी टीमों के साथ-साथ पुलिस बल व आरएएफ के जवान भी शामिल हुए।

राजनीतिक दलों ने की अजा समाज की अनदेखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

एससी ए समाज में 36 बिरादरियां हैं और सिरसा लोकसभा में 8 लाख से अधिक वोटर एससी ए समाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। राजनीतिक दलों खासकर भाजपा व कांग्रेस ने एससी ए वर्ग की हमेशा से अनदेखी की है और एससी ए समाज को अभी तक राजनीति में भागीदारी से वंचित रखा है। अजा समाज को आज तक इन दोनों दलों ने तरजीह नहीं दी, जिसके कारण समाज अपने आप को उपेक्षित महसूस कर रहा है। समाज अब राजनीतिक दलों की उपेक्षा को महसूस नहीं करेगा। यह बात अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायक प्रदेश प्रभारी इंद्राज धुंधवाल ने शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बीजेपी टिकट वितरण कर चुकी है, लेकिन कांग्रेस द्वारा टिकट का वितरण किया जाना है। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रणाली में सभी को अपने अधिकार मांगने का हक है और हम अपना हक ही राजनीतिक दलों से मांग रहे हैं। धुंधवाल ने कहा कि जब तक समाज का प्रतिनिधि नहीं होगा, तब तक समाज का उत्थान नहीं हो सकता। समाज की समस्याओं को दूर करवाने में समाज सफल नहीं हो पाएगा।

सिरसा। पत्रकारों से बात करते हुए अखिल भारतीय वाल्मीकि महापंचायक प्रदेश प्रभारी इंद्राज धुंधवाल।

बुजुर्ग डिपोधारकों को मिली राहत

फतेहाबाद के 35 डिपो धारकों से नहीं छिनेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

प्रदेश में 60 साल की उम्र के राशन डिपोधारकों के डिपो फिर से रिन्यूल न करने के फैसले को फिलहाल सरकार ने टाल दिया है। खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक विभाग ने इसके लिए पत्र भी जारी कर दिया गया है। जिसमें राशन डिपो धारकों के 31 जुलाई को दोबारा से राशन डिपो देकर राशन अलॉट किया जाएगा। जिससे एक बार 60 साल उम्र के राशन कार्ड धारकों को राहत मिली है। फतेहाबाद जिले में ऐसे डिपो धारकों की संख्या 35 है। ज्ञात रहे कि सरकार के फैसले के खिलाफ राशन डिपो धारक उच्च न्यायालय में चले गए थे और अभी यह मामला अदालत में चल रहा है।

बता दें कि हरियाणा सरकार ने 2022 में निर्णय लिया था कि 60 साल उम्र के राशन डिपो धारकों को राशन डिपो अलॉट नहीं किए जाएंगे। उनको राशन की एलोकेशन भी नहीं दी जाएगी। सरकार के आदेशों के बाद प्रदेश के राशन डिपो धारक उच्च न्यायालय में चले गए थे। अदालत ने सुनवाई के दौरान राशन कार्ड डिपो धारकों को अंतरिम राहत दी थी और सरकार को आदेश दिए थे कि राशन डिपो धारकों को 18 मार्च 2024 तक डिपो अलॉट किए जाए। अदालत के आदेशों की अवधि समाप्त होने के बाद 1 अप्रैल से खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक विभाग ने ऐसे राशन डिपो धारकों के डिपो दोबारा से रिन्यूवल नहीं किए और उनकी राशन की अलॉटमेंट भी बंद कर दी थी। जिससे राशन डिपो धारकों में रोष फैल गया था। 2 अप्रैल को इस मामले में राशन डिपो धारकों ने 2 अप्रैल को विभाग के निदेशक को पत्र लिखा और 4 अप्रैल को उच्च न्यायालय में याचिका दायर करके इस मामले पर अपने आदेशों पर पुनर्विचार करने की मांग की थी।

उच्च न्यायालय तक लड़ाई लड़ी

60 साल की उम्र के बाद लोग बुजुर्ग हो जाते हैं। राशन डिपो धारक हमेशा से गरीब परिवारों के हाथों में राशन पहुंचाते हैं। बुजुर्ग राशन डिपो धारकों से डिपो वापिस लेने को लेकर सरकार के खिलाफ हमने उच्च न्यायालय तक लड़ाई लड़ी है। फिलहाल हम जीते हैं और आगे भी जीत हासिल होगी।

-शीशपाल गोदारा, प्रदेशाध्यक्ष फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन।

60 साल से ऊपर के डिपो धारको के डिपो रद्द नहीं किए जा रहे

उच्च न्यायालय के आदेश पर फिलहाल 60 साल से ऊपर के डिपो धारको के डिपो रद्द नहीं किए जा रहे। उन्हें इस बार एलोकेशन अलॉट की जा रही है।

-विनीत जैन, डीएफएससी फतेहाबाद

गजब की रहेगी सोने की चाल कर सकता है खूब मालामाल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

तीन महीने में 15% की छलांग, निवेशकों की जमकर कमाई

पिछले कुछ समय में सोना सबसे बढ़िया एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। तीन महीने में इस पीली धातु की कीमतें 15 फीसदी तक बढ़ी हैं। यही, नहीं आरबीआई सहित कई उभरते देशों के केंद्रीय बैंक सोने की खरीद में जुटे हैं। सोने को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर माना जाता है। इसमें निवेश कर आप भी मलामाल हो सकते हैं। वैसे भी विशलेषक और सर्राफा बाजार के जानकार इसे निवेश के लिए बढ़िया बता रहे हैं।

जैसे जैसे सोना चमकमता जा रहा है यह निवेशकों को भी खूब भा रहा है। विशलेषकों और सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि इस साल सोना बढ़िया कमाई करवा सकता है। इसकी चाल तेज रहेगी। यह निवेशकों पर खूब पैसे बरसा सकता है। ऐसे में सोने में निवेश आपकी संपत्ति को बढ़ाने में सहायक होगा। वैसे भी निवेशक फर्मों का कहना है कि आपके पोर्टफोलियों में कम से कम 20 फीसदी गोल्ड होना ही चाहिए। यह आपको हर स्थिति से उभारने में मदद कर सकता है। पिछले तीन महीनों में सोना 15% से ज्यादा बढ़ा है। 2024 की शुरुआत से यह सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के तौर पर उभरा है। पिछले तीन महीनों में कई बातों के चलते पीली धातु के दाम ऊपर गए हैं। क्या चमकीली धातु में यह तेजी आगे भी जारी रहेगी? निवेशकों को क्या करना चाहिए? इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको देंगे ऐसी ही जानकारी की क्या ईरान-इजराइल टेंशन के बीच सोने में निवेश का सही समय है। आप किस तरह से सोने में निवेश का बढ़िया रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे ही तमाम सवालों के जवाब इस रिपोर्ट में आपको मिलेंगे।

कई देशों के बैंक खरीद रहे सोना

इस समय भारत और चीन सहित उभरते देशों के केंद्रीय बैंक बीते कुछ महीनों से लगातार सोने की खरीद में जुटे हुए हैं। इसने सोने की कीमतों को मजबूती दी है। सोना पोर्टफोलियो में विविधता लाने और महंगाई से बचाव के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकता है। इसे सबसे सुरक्षित निवेश विकल्प माना जाता है। इसलिए आप भी इसमें लंबी अवधी के लिए निवेश कर सकते हैं और बुढ़ापे के लिए अच्छा पैसा बचा सकते हैं।

मुश्किल समय में बढ़ते हैं दाम

युद्ध, राजनीतिक अस्थिरता और प्राकृतिक आपदाएं जैसी वैश्विक घटनाओं पर सोने की कीमतों पर असर पड़ता है। मुश्किल समय में सोने की कीमतों में अक्सर बढ़त देखने को मिलती है। जब अर्थव्यवस्था अनिश्चित होती है तो भी सोने की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं। कारण है कि इसे सुरक्षित विकल्प माना जाता है।

निवेशकों को क्या करना चाहिए

बीते कुछ समय में सोने में निवेश करने वालों के पास मुस्कुराने का कारण रहा है। पिछले तीन महीनों में पीली धातु में 15% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह कैलेंडर वर्ष में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास में उभरी है। विश्लेषकों को उम्मीद है कि सोने में और तेजी आएगी। कारण है कि कीमती धातु को रफ्तार देने वाले कई फैक्टर पॉजिटिव हैं। इनमें ऊंची महंगाई दर, प्रमुख केंद्रीय बैंकों की ओर से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावनाएं और मध्य पूर्व और यूक्रेन में भू-राजनीतिक तनाव शामिल हैं।

सोने में निवेश के तरीके

फिजिकल गोल्ड

सोने की सलाखें और सिक्के: यह सोने में निवेश करने का सबसे पारंपरिक तरीका है। आप अलग-अलग आकारों और शुद्धता स्तरों में सोने की सलाखें और सिक्के खरीद सकते हैं।

सोने की जूलरी: आप सोने की जूलरी में भी निवेश कर सकते हैं, जैसे कि हार, कंगन और अंगूठियां। हालांकि, ध्यान रखें कि जूलरी में सोने की शुद्धता कम होती है और इसका मूल्य निवेश उद्देश्यों के लिए सोने की तुलना में कम होता है।

पेपर गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले म्यूचुअल फंड: ये म्यूचुअल फंड सोने की सलाखों और सिक्कों में निवेश करते हैं। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा विकल्प है जो भौतिक सोने को स्टोर करने और उसका बीमा करने की परेशानी से बचना चाहते हैं।

गोल्ड एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड (ईटीएफ): ये ईटीएफ सोने की कीमतों को ट्रैक करते हैं और आपको सोने की सलाखों या सिक्कों के बिना सोने में निवेश करने की अनुमति देते हैं।

गोल्ड फ्यूचर एंड ऑप्शन: ये अनुबंध आपको भविष्य में सोने की एक निश्चित कीमत पर खरीदने या बेचने का अधिकार देते हैं।

डिजिटल गोल्ड

सोने में निवेश करने वाले ऐप्स: कई ऐप्स आपको अपने स्मार्टफोन के जरिये सोने में निवेश करने की अनुमति देती हैं। आप छोटी मात्रा में भी सोना खरीद सकते हैं और इसे आसानी से बेच सकते हैं।

क्रिप्टोकरेंसी: *कुछ क्रिप्टोकरेंसी जैसे कि पाई (पीआई) और डीजीएक्स (डीजीएक्स) सोने से समर्थित हैं। सोने में निवेश करने का सबसे अच्छा तरीका आपकी व्यक्तिगत परिस्थितियों और वित्तीय लक्ष्यों पर निर्भर करता है। निवेश करने से पहले आपको अपनी रिसर्च करनी चाहिए और विभिन्न विकल्पों की तुलना करनी चाहिए।*

डीएसपी म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अगली कुछ तिमाहियों में सोना, चांदी और अन्य कीमती धातुओं में तेजी बनी रह सकती है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि सोना अच्छी स्थिति में है। अगर महंगाई की दर ऊंची रहती है तो इसमें बढ़ोतरी होगी। कीमतें कम हो जाती हैं और ब्याज दरों में कटौती होती है तो भी सोना अच्छा प्रदर्शन करेगा। कारण है कि जियो-पॉलिटिकल टेंशन सोने की कीमतों को हवा दे रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म नहीं हुआ। इस बीच ईरान और इजरायल के बीच भी तनाव बढ़ गया है। इनसे सोने की कीमतों को बल मिलेगा।

टैक्स कैसे लगता है

मल्टी-कैप फंड्स पर इक्विटी फंड्स की तरह टैक्स लगता है। उनके ऊपर पूंजीगत लाभ के हिसाब से टैक्स लगता है। एक साल से कम समय के लिए रखे गए फंड से हुई कमाई पर 15% टैक्स लगाया जाता है, और एक साल से ज्यादा समय तक रखे गए फंड से हुई कमाई के मामले में 1 लाख रुपये से अधिक के लाभ पर 10% टैक्स लगाया जाता है। इसका मतलब है कि हर साल 1 लाख रुपये तक का लाभ छूट प्राप्त है। टैक्स की गणना 1 लाख रुपये से ज्यादा की रकम के हिसाब से की जाती है।

मल्टी-कैप फंड्स ने 1 साल में दिया 52% का रिटर्न, एसआईपी से जुटा सकते हैं मोटा फंड

सुझाव
बिजनेस डेस्क

मल्टी-कैप एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, यह लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों में करता है निवेश, मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा

मल्टी-कैप म्यूचुअल फंड एक प्रकार का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो लार्ज, मिड और स्मॉल-कैप कंपनियों समेत अलग-अलग बाजार पूंजीकरण वाले शेयरों के विविध पोर्टफोलियो में निवेश करता है। बाजार पूंजीकरण से किसी कंपनी के आकार और उसके मूल्य का पता चलता है। अगर आप कम जोखिम के साथ किसी ऐसी स्कीम में निवेश करना चाहते हैं जहां आपको एफडी से ज्यादा रिटर्न मिले तो आप म्यूचुअल फंड की मल्टी-कैप स्कीम्स ने निवेश कर सकते हैं। इस कैटेगरी में एसआईपीके जरिये निवेश कर मोटा फंड बनाया जा सकता है। इस कैटेगिरी के फंड्स ने बीते 1 साल में 52% तक का रिटर्न दिया है। सेबी के नए नियमों के अनुसार मल्टी-कैप फंड में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में 25-25% हिस्सा रखना होगा। फंड मैनेजर को न्यूनतम 75% इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश रखना होगा।

मल्टी कैप फंड के प्रकार

लार्ज-कैप फोकस्ड फंड : ये इक्विटी फंड लार्ज-कैप फंडों में अधिक निवेश करते हैं, जबकि बाकी संपत्तियां मिड और स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश की जाती हैं। चूंकि वे लार्ज-कैप शेयरों की ओर अधिक झुकाव रखते हैं, इस कारण वे तुलनात्मक तौर पर कम वृद्धि करा सकते हैं।

मिड-कैप या स्मॉल-कैप फोकस्ड फंड: ये इक्विटी फंड मिड और स्मॉल-कैप शेयरों को अधिक वेटेज देते हैं, जबकि बाकी का निवेश लार्ज-कैप शेयरों में किया जाता है। इस कारण वे पूंजी को बढ़ाने की ज्यादा संभावना के साथ ज्यादा जोखिम वाले हो सकते हैं।

इसे ऐसे समझें

मान लीजिए फंड मैनेजर के पास निवेशकों का कुल 100 रुपये हैं। यहां फंड मैनेजर को न्यूनतम 75 रुपये इक्विटी और इक्विटी ओरिएंटेड फंड में निवेश करना होगा। जिसमें 25-25 रुपये लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप तीनों में लगाना होगा। बाकी बचे हुए 25 रुपये फंड मैनेजर अपने हिसाब से निवेश कर सकते हैं।

इनमें रहता है कम जोखिम

यदि आप इक्विटी फंड्स में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, लेकिन ज्यादा-रिस्की एक्सपोजर लेना नहीं चाहते, तो आप टॉप-रेटेड मल्टी-कैप फंड्स में इन्वेस्ट कर सकते हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन के हिसाब से ये फंड्स अच्छी तरह डाइवर्सिफाइड भी होते हैं। ये फंड्स, मार्केट के स्थिर रहने पर, स्मॉल और मिड-कैप फंड्स की तुलना में कम रिटर्न दे सकते हैं लेकिन अस्थिर मार्केट कंडीशन में ये फंड्स कम रिस्की होते हैं। इसलिए, यदि आप एक ऐसा फंड चाहते हैं जिसमें कम रिस्क हो तो आप मल्टी-कैप फंड्स आपके लिए सही इन्वेस्टमेंट चॉइस हो सकता है।

किसे निवेश करना चाहिए

निवेशक जो इक्विटी में निवेश करना चाहते हैं, लेकिन बहुत अधिक जोखिम नहीं लेना चाहते हैं, इन फंड्स में निवेश कर सकते हैं। पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाइ करने का ये अच्छा ऑप्शन है। जो निवेशक एक ही पोर्टफोलियो में जोखिम और अस्थिरता के बीच संतुलन बनाना चाहते हैं, वे भी मल्टी-कैप फंड्स का विकल्प चुन सकते हैं।

एसआईपी के जरिए निवेश करना रहेगा सही

म्यूचुअल फंड में एक साथ पैसा लगाने की बजाय सिस्टमेंटिक इनवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिए निवेश करना चाहिए। एसआईपी के जरिए आप हर महीने एक निश्चित अमाउंट इसमें लगाते हैं। इससे रिस्क और कम हो जाता है क्योंकि इससे इस पर बाजार के उतार चढ़ाव का ज्यादा असर नहीं पड़ता। इसके अलावा एसआईपी के जरिए आप आसानी से बड़ा फंड भी तैयार कर सकेंगे।

- ईएलएसएस स्कीम में मिलता है टैक्स बेनिफिट भी
- कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स टॉप पर रही
- ईएलएसएस भी निवेश का अच्छा विकल्प हो रहे

ईएलएसएस फंडों ने 5 वर्ष में 34% तक रिटर्न दिया

फैक्ट
बिजनेस डेस्क

पेश की कई टॉप इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) ने पिछले 5 से 10 साल के दौरान शानदार रिटर्न दिए हैं। इनमें से कुछ फंड्स का औसत सालाना रिटर्न तो करीब 25 से 34% तक रहा है। इतना ही नहीं, ईएलएसएस पर मिलने वाला टैक्स बेनिफिट इनमें निवेश को और भी आकर्षक बना देता है। इसलिए इसमें निवेश करना फायदे का सौदा है। आप भी ईएलएसएस में निवेश कर अच्छा मुनाफा कमा सकते हैं। ईएलएसएस ऐसे म्यूचुअल फंड्स हैं, जिनमें मुख्यतौर पर इक्विटी में निवेश किया जाता है। इस समय इक्विटी निवेशकों की पहली पसंद बनी बना हुआ है। चूंकि इसमे निवेश कर लोग अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

ईएलएसएस पर क्या हैं टैक्स बेनिफिट

टैक्स सेविंग इनवेस्टमेंट के लिहाज से इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम (ईएलएसएस) निवेश का अच्छा विकल्प हो सकते हैं। टैक्स सेविंग ईएलएसएस में हर साल 1.5 लाख रुपये तक लगाने पर सेक्शन 80सी के तहत टैक्स छूट मिलती है। इस इनवेस्टमेंट को कम से कम 3 साल तक बनाए रखने के बाद निकाला जाए, तो एक फाइनेंशियल इयर के दौरान 1 लाख रुपये तक का प्रॉफिट लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) माना जाता है, जिस पर टैक्स नहीं लगता। मुनाफा 1 लाख रुपये से ज्यादा होने पर भी टैक्स पेयर के स्लैब की बजाय 10% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होता है। अच्छी बात यह है कि ईएलएसएस में सिर्फ टैक्स बचाने के लिए ही नहीं, बेहतर रिटर्न के लिए भी निवेश किया जा सकता है, जिसकी गवाही आंकड़े देते हैं।

क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 34.79%
- 5 साल में रिटर्न : 34.36%
- 10 साल में रिटर्न: 27.28%

एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड

- 3 साल में रिटर्न : 27.21%
- 5 साल में रिटर्न : 22.66%
- 10 साल में रिटर्न : 18.11%

एयूएम : 21,754.29 करोड़ रुपये

एचडीएफसी ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 26.30%
- 5 साल में रिटर्न: 19.28%
- 10 साल में रिटर्न: 16.81%

एयूएम : 14,140.23 करोड़ रुपये

बैंक ऑफ इंडिया ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न: 25.37%
- 5 साल में रिटर्न: 27.00%
- 10 साल में रिटर्न: 20.55%
- एयमएम : 1,181.57 करोड़ रुपये

बंधन ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 23.43%
- 5 साल में रिटर्न: 22.06%
- 10 साल में रिटर्न:19.89%

एयूएम : 6,234.18 करोड़ रुपये

डीएसपी ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.36%
- 5 साल में रिटर्न: 21.40%
- 10 साल में रिटर्न: 19.76%
- एयूएम : 14,336.52 करोड़ रुपये

कोटक ईएलएसएस टक्स सेवर फंड

- 3 साल में रिटर्न : 21.15%
- 5 साल में रिटर्न: 20.85%
- 10 साल में रिटर्न: 19.50%
- एयूएम : 5,191.71 करोड़ रुपये

लंबे निवेश का बेहतर विकल्प

आंकड़ों से साफ है कि ईएलएसएस में निवेश से न सिर्फ टैक्स का बेनिफिट मिलता है, बल्कि लंबे अरसे में वेल्थ क्रिएशन के लिए भी ये अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इसलिए ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड लंबे समय तक निवेश करने पर अच्छा रिटर्न मिल सकता है। हालांकि निवेश का फैसला करने से पहले यह बात जरूर ध्यान में रखनी चाहिए कि इक्विटी लिंक्ड स्कीम होने के कारण इसमें बाजार से जुड़ा रिस्क हमेशा बना रहता है। लिहाजा निवेश का फैसला अपने रिस्क प्रोफाइल को ध्यान में रखकर ही करना चाहिए। हालांकि अगर आप इसमें सिस्टमैटिक इनवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिए निवेश करेंगे, तो एवरेजिंग के कारण रिस्क कम रहेगा।

क्या हैं ईएलएसएस फंड

ईएलएसएस फंड एक इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो आपको अपने पैसे को स्टॉक में इन्वेस्ट करने की अनुमति देता है। हालांकि, इसका मतलब हमेशा नहीं है कि आपके पैसे का 100% इक्विटी मार्केट में इन्वेस्ट किया जाएगा। ईएलएसएस फंड, बिना किसी अधिक जोखिम के स्टॉक मार्केट से लाभ उठाने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है। ईएलएसएस फंड का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि वे आपको इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80सी में उल्लिखित प्रावधानों के तहत टैक्स बचाने की अनुमति देते हैं। ईएलएसएस फंड में इन्वेस्ट करके अपनी वार्षिक टैक्सेबल इनकम से रु. 1,50,000 तक की टैक्स छूट का लाभ उठा सकते हैं। टैक्स लाभ को देने के लिए, ईएलएसएस म्यूचुअल फंड में तीन वर्ष की लॉक-इन अवधि होती है। यह समय परक्राम्य नहीं है, और तीन वर्ष से पहले अपने पैसे निकालने का कोई तरीका नहीं है।

पर्सनल लोन से निपटा सकते हैं कई खर्च, लेकिन रहें अलर्ट

- कई आर्थिक मुसीबतों से बचा सकता है पर्सनल लोन
- सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने में सक्षम

बिजनेस डेस्क

पर्सनल लोन वह अनसिक्योर्ड क्रेडिट होता है जो कोई बैंक या नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी देती है, ये आपकी क्रेडिट हिस्ट्री और आपकी पर्सनल इनकम के आधार पर लोन चुकाने की क्षमता के आधार पर मिलता है। ये कस्टमर लोन के तौर पर भी जाने जाते हैं, ये एक ऑल पर्पज लोन है जो आपकी सभी तरह की व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए लिया जाता है। इक्वेटेड मंथली इंस्टॉलमेंट्स (ईएमआई) लोन चुकाने का माध्यम होती हैं और ये लोन के प्रिंसिपल अमाउंट और लोन के ब्याज को धीरे-धीरे मासिक आधार पर चुकाने का काम करती हैं जब तक लोन पूरी तरह चुकता नहीं हो जाता है। हर ईएमआई में प्रिंसिपल लोन अमाउंट और ब्याज जो चुकाया जाना है उसका कंपोनेंट होता है। चूंकि इस लोन को लेने में कम पेपर वर्क होता है और प्रोसेसिंग में भी कम समय लगता है तो बस आपके पास अच्छा क्रेडिट स्कोर होना चाहिए और आपको ऊंची ब्याज दर चुकाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर क्या है

पर्सनल लोन वो अनसिक्योर्ड लोन होते हैं जो कि किसी व्यक्ति को दिए जाते हैं। जो कोई अपनी आर्थिक जरूरतों को हासिल करना चाहते हैं जैसे कि कर्ज को उतारना, शादी-विवाह आदि के लिए खर्च, अचानक आने वाले मेडिकल खर्च के लिए और अन्य किसी जरूरत के लिए पैसा चाहते हैं, वो पर्सनल लोन लेते हैं। पर्सनल लोन ईएमआई कैलकुलेटर के जरिए आपको होम लोन की इंस्टॉलमेंट्स का पता चल जाता है जो आपको रेगुलर इंटरवल पर देनी होगी। ये आपको होम लोन प्लान लेने में एक बेहद जरूरी फाइनेंशियल प्लानिंग टूल के रूप में काम आता है और आप अपना निर्णय ले पाते हैं।

ईएमआई कैलकुलेशन कैस मदद हो पाती है

ईएमआई कैलकुलेशन आपको स्पष्ट रकम के बारे में बताता है कि हर महीने आपको कितनी रकम होम लोन चुकाने में देनी होगी, जिससे आप एक सही फैसला ले सकते हैं कि लोन लेना आपको बजट में है या नहीं। ये आपको लोन की कॉस्ट से जुड़ी अन्य बातों के बारे में भी बताता है, जिससे आप जान पाते हैं कि पर्सनल लोन लेने के बाद आपको हर महीने कितनी रकम अलग निकालकर रखनी होगी और आप लोन लेने की स्थिति में है या नहीं।

ईएमआई जांचने के फायदे

- लोन लेने की क्षमता जांच सकते हैं।
- लोन का कुल अमाउंट और टेन्योर जांच सकते हैं।
- लोन रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- प्रीपेमेंट की योजना बना सकते हैं।
- पर्सनल लोन लेने के क्या कारण हो सकते हैं।
- महंगी शादी के लिए लिया जा सकता है।
- किसी बड़ी खरीदारी के लिए हो सकता है।
- मेडिकल इमरजेंसी के लिए।
- घर की मरम्मत या सुधार के लिए।
- क्रेडिट कार्ड के कर्ज को चुकाने के लिए।
- किसी बिजनेस को फाइनेंस करने या किसी निवेश को करने के लिए लिया जा सकता है।

तैयारी बच्चे भी टैक्स बचाने में कर सकते हैं मदद, ऐसे समझें गणित

टैक्स बेनिफिट फायदा उठाकर वित्तीय बोझ कर सकते हैं कम

बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए ज्यादा से ज्यादा टैक्स बचाएं

जानकारी
बिजनेस डेस्क

टैक्स बचाने के लिए नौकरी पेशा लोग तमाम जतन करते हैं। बच्चों के भविष्य के लिए बचत भी बेहद जरूरी है। ऐसे में बच्चे भी टैक्स बचत करवाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। माता-पिता बनने के बाद तमाम जिम्मेदारियों और खुशियों के बीच अक्सर इस पहलू को नजरअंदाज कर दिया जाता है कि बच्चों के कारण परिवार को टैक्स में छूट मिलता है। परिवार में बच्चों की मौजूदगी और उनकी परवरिश से मिल रही खुशी के इतर सरकार द्वारा भी पैरेंट्स को वित्तीय सपोर्ट मिलती है ताकि माता-पिता को बच्चों के स्वास्थ्य की देखभाल, शिक्षा पर होने खर्चों और उनकी जरूरतों को पूरा करने में कम परेशानी हो। छोटे बच्चों के कारण पेरेंट्स को मिलने वाले टैक्स बेनिफिट के बारे में समझाकर और उनका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाकर परिवार के वित्तीय बोझ को काफी हद तक कम किया सकता हैं। इसके साथ ही बच्चों को बेहतर भविष्य दिया जा सकत हैं। परिवार का टैक्स बचाने में आपके बच्चे भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। आइए जानते हैं कि कैसे आप पैरेंट्स बनने के बाद ज्यादा से ज्यादा टैक्स में छूट का लाभ पा सकते हैं।

बच्चों की फीसः नर्सरी से पोस्टग्रेजुएशन तक

- नौकरी पेशा वाले टैक्सपेयर्स अपने बच्चों की शिक्षा लागत में मदद करने के लिए कॉस्ट ऑफ कंपनी (सीटीसी) स्ट्रक्चर के हिस्से के रूप में आयकर अधिनियम की धारा 10(14) के तहत कुछ भत्ते के हकदार हैं। इनमें भत्तों में शिक्षा और हॉस्टल खर्च शामिल है।
- **बच्चों की शिक्षा भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 100 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,400 रुपये सालाना तक।
- **बच्चों की हॉस्टल भत्ता:** हर एक बच्चे के लिए प्रति माह 300 रुपये की कटौती, दो बच्चों के लिए अधिकतम 2,600 रुपये सालाना।

ट्यूशन फीस पर भी छूट : इसके अलावा बच्चों की शिक्षा के लिए भुगतान की गई ट्यूशन फीस इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत कटौती योग्य है। माता-पिता अलग से सालाना 1.5 लाख रुपये तक की कटौती का डिडक्शन क्लेम कर सकते हैं। यह टैक्स डिडक्शन भारत में स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों या अन्य शैक्षणिक संस्थानों में दो बच्चों तक के लिए भुगतान की जाने वाली ट्यूशन फीस को कवर करती है। हालांकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह कटौती ट्यूशन फीस के लिए विशिष्ट है और इसमें अन्य शुल्क शामिल नहीं हैं, जैसे कि पार्ट-टाइम या इंटरनेशनल कोर्स पाठ्यक्रमों के लिए।

सुकन्या समृद्धि योजना

धारा 80सी के तहत 1.5 लाख रुपये तक की टैक्स बेनिफिट्स के साथ-साथ टैक्स फ्री रिटर्न भी देती है। यह मुख्य रूप से बालिका शिक्षा और विवाह के लिए है क्योंकि राशि का निवेश केवल 21 वर्ष की आयु तक किया जा सकता है। सुकन्या समृद्धि अकाउंट किसी भी पोस्ट ऑफिस या बैंक शाखा में खुलवाया जा सकता है। बेटी के जन्म के समय या फिर 10 साल की उम्र तक यह खाता खुलवाया जा सकता है। खाता खुलवाने के समय कम से कम 1000 रुपये और एक वित्त वर्ष में अधिकतम 1.5 लाख रूपये जमा करवाने होते हैं।

बीमा योजना

बच्चों की शैक्षणिक भविष्य को वित्तीय सुरक्षा देने के लिए, माता-पिता को बच्चों के नाम पर बीमा योजनाओं और यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्लान जैसे निवेश स्कीम पर विचार करने की सलाह दी जाती है। ये उपकरण न सिर्फ टैक्स बेनिफिट देते हैं बल्कि योगदान देने वाले माता-पिता की मृत्यु जैसी अप्रत्याशित परिस्थितियों के मामले में वित्तीय सुरक्षा भी प्रदान करते हैं। यानी बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए आप पीपीएफ, सुकन्या समृद्धि खाता, म्यूचुअल फंड्स खाता, ट्रेडिशनल इंश्योरेंस पॉलिसी जैसे स्कीम की मदद ले सकते हैं। इसमें आप जो निवेश करेंगे, उस पर सेक्शन 80C के तहत डिडक्शन मिलता है।

एजूकेशन लोन

एजूकेशन लोन पर ब्याज के बिना किसी ऊपरी सीमा के धारा 80ई के तहत टैक्स डिडक्शन के लिए पात्र है। यह प्रावधान विशेष रूप से हायर इनकम वाले परिवारों के लिए फायदेमंद है और यह सुनिश्चित करता है कि वित्तीय बाधाओं के बावजूद हायर एजुकेशन का सपना पहुंच के भीतर बना रहे। बच्चे की पढ़ाई के लिए आप एजुकेशन लोन लेकर सेक्शन 80ई के तहत टैक्स बचा सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस पर

इनकम टैक्स की धारा 80डी बच्चों के लिए भुगतान किए गए हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स डिडक्शन का लाभ देती है। हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी में बच्चे, पत्नी और खुद यानी परिवार के लिए टैक्स डिडक्शन की ऊपरी लिमिट 25,000 रुपये है। इनकम टैक्स की धारा 80डी के तहत बच्चे वाला परिवार 25,000 रुपये तक के टैक्स डिडक्शन के लिए क्लेम कर सकता है। इसके अलावा कॉम्प्रिहेंसिव हेल्थ इंश्योरेंस कवर अतिरिक्त 5,000 रुपये तक का क्लेम सुनिश्चित करता है। यह कवरेज होने पर परिवार बच्चों के प्रिवेंटिव हेल्थ चेकअप के लिए 5,000 तक की सब-लिमिट का दावा भी कर सकते हैं।

इन पर भी राहत

इसके अलावा, सेक्शन 80डीडी और 80डीडीबी विकलांग या विशिष्ट बीमारियों वाले बच्चों के मेडिकल ट्रीटमेंट पर होने वाले खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन मिलते हैं। धारा 80डीडी के तहत, विकलांग बच्चों के चिकित्सा उपचार और रखरखाव से संबंधित खर्चों के लिए टैक्स डिडक्शन का दावा किया जा सकता है।

खबर संक्षेप

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

हिसार। शहर की महाबीर कॉलोनी निवासी लगभग 30 वर्षीय महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया गया। महिला के पति राकेश कुमार व मृतका के भाई सुरजा का कहना है कि अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण उसकी मौत हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टामार्टम करवाकर विसरा जांच के लिए मधुबन भ `ज दिया है।

अवैध देशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

हांसी। जिला भर अपराधों पर लगाम लगाते हुए हांसी पुलिस की वाहन चोर निरोधक दस्ता की टीम ने एक व्यक्ति को देसी शराब की 12 बोतल गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सैनीपुरा निवासी अजमेर उर्फ फौजी के रुप में हुई है। सिपाही सुनील कुमार ने बताया कि वह गांव मे सैनीपुरा में गश्त पड़ताल के दौरान एक व्यक्ति को शक के आधार पर रोक कर उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास 12 बोतल अवैध देशी शराब बरामद हुई।

पूर्व मंत्री ने निधन पर शोक जताया

हिसार। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री जसवंत सिंह बावल ने रिटायर्ड डीआईपीआरओ विरेन्द्र वर्मा की माता दर्शना देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया। पूर्व मंत्री ने वर्मा के निवास स्थान पर पहुंचकर शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने दर्शना देवी की चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर किए। पूर्व मंत्री ने कहा कि स्वर्गीय दर्शना देवी एक सामाजिक व धार्मिक प्रवृत्ति की महिला थी।

हनुमान जयंती पर काटा जाएगा 11 किलो का केक

हिसार। श्रीशनिदेव सेवा समिति के तत्वाधान में बड़वाली ढाणी स्थित शनिदेव मंदिर में 23 अप्रैल को हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। समिति के प्रधान महाबीर सैनी व सचिव रामबीर सैनी ने बताया कि इस दिन सायंकाल 6:15 बजे आरती के बाद शुद्ध मावे से बना 11 किलो का केक काटा जाएगा। केक के अलावा देशी घी का हलवा, खीर, जलेबी व आइसक्रीम का प्रशाद भी श्रद्धालुओं में वितरित किया जाएगा।

आज कांग्रेस में शामिल होंगे नरेश यादव

हांसी। अपने गांव में अपने खर्चे पर विकास कार्यों तथा हांसी शहर

में समाजसेवा के जरिए अपनी पहचान बनाने वाले नरेश यादव रविवार को अपने समर्थक सहित दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस में शामिल होंगे।

जलघर से मोटर चोरी करने वाला आरोपी काबू

हांसी। सदर थाना पुलिस ने जलघर में मोटर चोरी करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सुलचानी निवासी अजय के रुप में हुई है। जांच अधिकारी मुख्य सिपाही बन्नी सिंह ने बताया कि आरोपी अजय ने कुछ दिन पहले घिराए गांव जलघर में पानी सप्लाई करने के लिए लगाई गई।

सरकार को भुगतना पड़ेगा रोडवेज कर्मचारियों की मांगों

कार्यकारिणी बैठक में डिपो कमेटी का किया पुनर्गठन

चालक-परिचालकों को 30 से कम कर 10 नाईट करने जैसे तुगलकी फरमानों से कर्मचारियों में भारी रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। बैठक करते रोडवेज कर्मचारी।

रोडवेज कर्मचारियों की बैठक शनिवार को बस अड्डा स्थित यूनियन कार्यालय में डिपो प्रधान पृथ्वी सिंह चाहर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में डिपो कमेटी के कुछ पदाधिकारियों के तबादले अन्य डिपूओं में होने पर डिपो कमेटी का पुनर्गठन करते हुए पृथ्वी सिंह चाहर को डिपो प्रधान, नरेन्द्र सिंह गुर्जर को वरिष्ठ उपप्रधान, विकास चौधरी व संदीप सिंह को उप प्रधान, सतपाल सिंह रानियां को सचिव, विनोद लाम्बा को सह सचिव, धर्मबीर सहारण को मुख्य सलाहकार, लक्ष्मी नारायण को सलाहकार, रोहतास को ओडिटर, कीमत ढांडा को कैशियर, हीरा लाल व राजेंद्र सिंह को कार्यालय सचिव व सुनील कुमार शर्मा को प्रैस सचिव सर्व सम्मति से चुनाव किया गया। इस मौके पर राज्य प्रधान नरेन्द्र दिनोद व महासचिव सुमेर सिवाच ने सरकार की वादाखिलाफी पर चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने मानी गई मांगों को लागू करने की बजाय उल्टे कर्मचारी व विभाग विरोधी पत्र जारी कर जले पर नमक छिडकने का काम किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के 500 गाडियों के चेसिस न बनवा कर बाहर से बनवाने, केंद्रीय कर्मशाला हिसार व करनाल बंद कर निजीकरण करने व चालक-परिचालकों को 30 से कम कर 10 नाईट करने जैसे तुगलकी फरमानों से कर्मचारियों में भारी रोष हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की वादाखिलाफी को लेकर जल्द ही यूनियन व सांझा मोर्चा की बैठक बुलाकर आंदोलन की घोषणा की जाएगी।

सरकार को लोकसभा चुनाव में खामियाजा भुगतना पड़ेगा

ऑल इंडिया रोड ट्रांसपोर्ट वर्कर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरबत सिंह पूनिया ने कर्मचारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा चालक विरोधी हिट एंड रन कानून बनाने, पुरानी पेंशन स्कीम बहाल नहीं करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का नहीं करने व लाखों खाली पदों पर पक्की भर्ती नहीं करने व कौशल रोजगार निगम से कच्ची भर्ती कर बेरोजगारों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने के कारण सरकार को लोकसभा चुनाव में खामियाजा भुगतना पड़ेगा। कर्मचारी नेताओं ने मुख्य मांगों की चर्चा करते हुए कहा कि 500 गाडियों के चेसिस बाहर न बनवाकर एचआरईसी गुरुग्राम में बनवाई जाए। यार्ड से आउट और इंन के आधार पर ओवर टाइम दिया जाए। कर्मचारियों के प्रमोशन की पॉलिसी टेस्ट की पॉलिसी रद्द कर पुराने पैटर्न पर प्रमोशन की जाए। इस मौके पर रा'य वरिष्ठ उपप्रधान शिवकुमार श्योराण, रा'य सचिव सुखेसिंह धनाणा, सर्व कर्मचारी संघ के जिला वरिष्ठ उपप्रधान मदनलाल खोथ, रिटायर कर्मचारी संघ के नेता सुरजीत अरोड़ा, अशोक पटवारी, किशोरी लाल मेहता ने सरकार की कर्मचारी व जनविरोधी नीतियों की जमकर

होमगार्ड जवान ने दिया ईमानदारी का परिचय

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

फतेहाबाद। असली मालिक को उसका ब्रेसलेट लौटाते थाना प्रभारी व होमगार्ड जवान

शहर थाना फतेहाबाद में तैनात एक होमगार्ड के जवान ने ईमानदारी का परिचय देते हुए 3 तोले सोने का ब्रेसलेट उसके असली मालिक को लौटाकर ईमानदारी की मिसाल कायम की है। शहर थाना प्रभारी सब इंस्पेक्टर रंजीत सिंह ने बताया कि होमगार्ड जवान रविंद्र कुमार गश्त कर रहे थे कि रास्ते में उन्हें एक सोने का ब्रेसलेट गिरा हुआ मिला। रविन्द्र ने इसकी सूचना शहर थाना प्रभारी को दी। पुलिस ने असली मालिक की तलाश कर सुरेश बिजारनिया निवासी गांव बनगांव को ब्रेसलेट वापिस लौटाया गया। बनगांव निवासी सुरेश ने होमगार्ड रविंद्र की सराहना करते हुए कहा कि आज के जमाने में बहुत कम लोग ऐसे मिलते हैं तो लाखों रुपए कीमत की सोने का ब्रेसलेट वापस लौटा देते हैं। शहर थाना प्रभारी ने भी होमगार्ड रविंद्र कुमार की पीठ थपथपाई जिसने फतेहाबाद पुलिस का सिर गर्व से ऊंचा किया है।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस के बारे में स्कूली छात्रों की जागरूकता जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतिया

आगामी 27 अप्रैल को विश्व पशु चिकित्सा दिवस को मनाया जाएगा। अप्रैल महीने के अंतिम शनिवार को यह दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम 'पशु चिकित्सक आवश्यक स्वास्थ्य कार्यकर्ता' है। जागरूकता अभियान के तहत गुरु नानक इंटरनेशनल स्कूल, रतिया के विज्ञान संकाय के छात्र-छात्राओं को पशु चिकित्सा के क्षेत्र में विभिन्न श्रेणियां में कैसे प्रवेश अर्जित कर सकते है, एक विश्व एक स्वास्थ्य अभियान में पशुचिकित्सक की क्या भूमिका है, प्राणीजन्य रोग जैसे रेबीज, ब्रुसलोसिस तथा टीबी कितने खतरनाक है और इसकी रोकथाम में पशुचिकित्सक की अहमियत, पशुओं के प्रति क्रूरता की रोकथाम के लिए सोसायटी का महत्व व सदस्यता प्राप्त करने की आवश्यकता, पशुपालन विभाग द्वारा पूरे साल की जाने वाली गतिविधियां तथा विभागीय योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। डॉ. बिश्नोई ने बच्चों से उपरोक्त जानकारी अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सांझा करते हुए पशुधन बीमा योजना और मोबाइल पशुचिकित्सा यूनिट डायल 1962 का लाभ लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में प्रश्नोत्तरी में बच्चो के रोचक सवालों के जवाब में डॉ. बिश्नोई ने दूध-दही के खान-पान को जंक फूड से बेहतर और बिना उबाला हुआ दूध न पीने की सलाह दी।

आरएमपी से पिस्तौल के बल पर लूटी पौने चार लाख

ऐलनाबाद। ऐलनाबाद के छोटूराम जाट कॉलेज के निकट मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने आरएमपी चिकित्सक से पिस्तोल दिखाकर 3.71 लाख रुपए छीन ले गए। पुलिस को दी शिकायत में मूल रूप से गांव प्रतापनगर व हाल प्रियंका संधू होम्योपैथिक वाली गली निवासी जितेंद्र कुमार ने बताया कि वह हारनी कलां में आरएमपी चिकित्सक है। उसने बताया कि वह गांव हारनी से अपनी दुकान से सुबह 8.30 बजे निकला था। जब वह छोटूराम कॉलेज ऐलनाबाद के नजदीक पहुंचा तो दो व्यक्ति मोटरसाइकिल लेकर खड़े थे। एक व्यक्ति ने हाथ दिखाकर उसका बाइक रूकवाया और एक व्यक्ति ने पिस्तौल लगाकर कहा कि जो भी आपके पास है, निकाल दो।

विद्यार्थियों व शिक्षकों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चोपटा

सिरसा। मतदाता जागरूकता रैली निकालते स्कूली बच्चे

खंड के गांव नाथूसरी कला स्थित आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों ने मतदान जागरूकता रैली निकाली। रैली को स्कूल प्राचार्य रमेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्य संयोजक सुनील कुमार की अगुवाई में निकाली गई मतदाता जागरूकता रैली में लोगों से शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की गई। 18 वर्ष पूरे कर चुके सभी से वोट करने के लिए भी प्रेरित किया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा नाथूसरी कलां की गली-गली में सभी काम छोड़कर 25 मई को मतदान करने के नारे लगाए गए। रैली को रवाना करते हुए प्राचार्य रमेश कुमार द्वारा 25 मई को मतदान के दिन शत प्रतिशत मतदान की अपील की गई। उन्होंने कहा कि अपने बहुमूल्य वोट के महत्व को समझें और लोकतंत्र की मजबूती के लिए बूथ पर पहुंचकर मतदान करें। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सफल बनाने के लिए मतदाताओं का जागरूक होना जरूरी है।

रतिया में पहुंचे भाजपा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर

रतिया। सिरसा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अशोक तंवर आज अपने पक्ष में मतदान की अपील करने के लिए सब्जी मंडी में पहुंचे। डॉ. तंवर ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश को भारतीय जनता पार्टी की सशक्त सरकार की फिर से आवश्यकता है क्योंकि विकास का जो इंजन पीएम मोदी के नेतृत्व में शुरू हुआ है, उसका सफर तय करने और देश को अग्रसर करने के लिए फिर एक बार मोदी सरकार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि जनता के आशीर्वाद से देश की सबसे बड़ी पंचायत में आपके इलाके की पूरी पैरवी की जाएगी। इस अवसर पर भाजपा फतेहाबाद जिलाध्यक्ष बलदेव ग्रोहा, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, राजू लाली, प्रवीन भिरड़ाना, जोगेंद्र नंदा उपप्रधान नगर परिषद रतिया सहित अनेक भाजपा नेता मौजूद रहे।

श्याम बगीची धाम में भजन संध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। भजनों की प्रस्तुति देते हुए भजन गायिका।

अनाज मंडी स्थित श्री श्याम बगीची धाम में शुक्रवार रात को एकादशी के उपलक्ष्य में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया। राजस्थान के श्री गंगानगर से आए भजन गायकों ने बाबा की महिमा का भजनों के माध्यम से गुणगान किया। श्री गंगा नगर से आए मास्टर युवी चोपड़ा ने श्री राम जानकी बैठे है मेरे सीने में भजन प्रस्तुत किया। युवी चोपड़ा ने भजन- वीर हनुमाना अति बलवाना, सांवरे को किसने सजाया, चल खाटू श्याम के मेले में, खाटूवाला सेठों का सेठ मेरा बाबा सबसे ग्रेट सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। इसके बाद भजन गायिका सुनीता बागड़ी ने भजन- मेरा जी करता है श्याम के भजनों में खो जाऊ, हारे के सहारे आजा तेरा दास पुकारे आजा, घुंघटियो आडै आग्यो जी मैं थाण देख कोणी पाई बाबा श्याम, छम छम नाचे देखो वीर हनुमाना, जिस घर मे कीर्तन राम को बाबो आवै दौड़ो, पांव में घुघरु बांध के नाचे व नच लेण दे मैनू नच लैण दे सहित अनेक भजन प्रस्तुत किए। जिन पर श्रद्धालुजन झूमकर नाचे। इस मौके पर यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली कोमल गर्ग को श्याम बगीची की ओर से सम्मानित भी किया गया।

कविता पाठ में मुस्कान अग्रवाल रही प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

दयानंद महाविद्यालय में आयोजित कविता पाठ, भाषण, वाद-विवाद, चित्रांकन, निबंध लेखन तथा पॉवर प्वाइंट प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन निदेशक उच्चतर शिक्षा हरियाणा, पंचकूला के आदेशानुसार स्टूडेंट्स लीगल लिट्रेसी मिशन के अन्तर्गत किया गया। कविता पाठ प्रतियोगिता में महाविद्यालय की बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा मुस्कान अग्रवाल ने प्रथम स्थान, बीए प्रथम वर्ष की छात्रा लक्ष्या ने द्वितीय स्थान तथा बीए प्रथम वर्ष की छात्रा मिष्टी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में बीकॉम प्रथम वर्ष की छात्रा मिष्टी ने प्रथम स्थान, बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र विनीत ने द्वितीय स्थान तथा बीकॉम तृतीय वर्ष की छात्रा मुस्कान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता में बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र विनीत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। चित्रांकन प्रतियोगिता में बीकॉम द्वितीय वर्ष के छात्र हिमांशु ने प्रथम स्थान, बीए तृतीय वर्ष की छात्रा नेहा तथा बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र रजत ने द्वितीय स्थान तथा बीबीए प्रथम वर्ष की छात्रा कशिश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध लेखन में छात्रा मुस्कान अग्रवाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जीवन को हाई-फाई और वाई-फाई बनाना चाहिए

- राम भक्त हनुमान मंदिर, जवाहर नगर का वार्षिक महोत्सव में बोले : स्वामी उमानंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हिसार। हनुमान मंदिर, जवाहर नगर के वार्षिकोत्सव पर प्रवचन देते स्वामी उमानंद व उपस्थित श्रद्धालु। *फोटो : हरिभूमि*

रामभक्त हनुमान मंदिर समिति, गली नंबर-2 जवाहर नगर के 29वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय हनुमान कथा शुरू की गई। कथा के पहले दिन श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए हरि मंदिर अमरधाम, फर्रुखनगर, गुरुग्राम के अधिष्ठाता व कथा व्यास डॉ. स्वामी उमानंद मानसमणि ने कहा कि जिसका जीवन अहम और वहम में बीतता है, उसे जीवन से कुछ प्राप्ति नहीं हो पाती है। अहंकार एक अंधकार है जिसमें अपने दोष और दूसरों के गुण नहीं दिखाई देते हैं। अहंकार ऐसी लकीर खींच लेता है, जिसके दूसरी तरफ सब छोटे ही दिखाई देते हैं। अपनी तारीफ सुनने से राग और विरोध सुनने से द्वेष उत्पन्न होता है। जीवन को हाई-फाई और वाई-फाई बनाना चाहिए। हाई-फाई का अर्थ भजन, नाम, सिमरन में ज्यादा से ज्यादा अभ्यास और वाई-फाई का अर्थ सुंदरता, सरलता और सहजता पूर्वक सामाजिक रिश्तों से जुड़ना और उनको निभाना। व्यक्ति जितना आडंबर और दिखावे से दूर रहेगा, उतना ही आंतरिक प्रसन्नता को प्राप्त कर सकेगा। जैसे विश्राम का दिन संडे होता है ऐसे ही सप्ताह में एक दिन मोबाइल ऑफ डे भी होना चाहिए। गुरु चरणों में बैठकर यदि जीवन के रहस्यों को न समझा तो गुरु दीक्षा का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। दुनियां में यदि हार्ट अटैक के खतरे से बचना है तो भगवान के चरणों में अपना हार्ट अटैच रखो। इस अवसर पर हनुमान दास राठी, के.के.सेहरा, भगतचंद मेहता, अमीरचंद वधवा आदि मौजूद रहे।

सट्टेबाजी का आरोपी पकड़ा

डबवाली। थाना सदर डबवाली पुलिस ने गांव मट्टदादू से सार्वजनिक जगह पर सट्टा खाईवाली करने के आरोप में एक व्यक्ति को 2510 रुपए की सट्टाराशि के साथ गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान पुरुषोत्तम कुमार वासी मट्टदादू के रुप में हुई है। थाना सदर डबवाली प्रभारी प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस ने आरोपी पुरुषोतम के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत थाना सदर डबवाली में अभियोग दर्ज किया है।

इश्तहार अत्यबार
न्यायालय श्री रणवीर सिंह उप-तहसीलदार कम सहायक कलैक्टर द्वितीय श्रेणी, डबवाली, जिला सिरसा।

गंगा राम वगैरा बनाम कुलदीप कौर वगैरा
दरख्वास्त तकसीम भूमि।

बनामः-

1. कुलदीप कौर पुत्री हरनैचल सिंह पुत्र बख्तावर सिंह 2. घुका कौर पुत्री हरनैचल सिंह पुत्र बख्तावर सिंह 3. सरबजीत सिंह पुत्र नसीब कौर उर्फ गुरदास कौर पुत्री हरनैचल सिंह 4. परमजीत सिंह पुत्र नसीब कौर उर्फ गुरदास कौर पुत्री हरनैचल सिंह 5. गुरमेल कौर पुत्री हरनैचल सिंह पुत्र बख्तावर सिंह 6. केवल सिंह पुत्र हरनैचल सिंह पुत्र बख्तावर सिंह 7. गुरप्रीत सिंह पुत्र जगजीत सिंह पुत्र हरनैचल सिंह निवासीगण गांव पन्नीवाला रूलदू, तहसील डबवाली, जिला सिरसा।

प्रार्थीगण ने दरख्वास्त वास्ते किए जाने तकसीम भूमि बतफसील खेवट नंबर 221 खतौनी नंबर 385 किते 32 रकबा 189 कनाल 15 मरला, खेवट नंबर 421 खतौनी नंबर 706 किते 04 रकबा 30 कनाल 00 मरला, कुल किते 36 रकबा 219 कनाल 15 मरला वाक्या गांव पन्नीवाला रूलदू, तहसील डबवाली, जिला सिरसा अनुसार जमाबन्दी साल 2017-2018, इस न्यायालय में दायर की है। अगर इस बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार का कोई उज्र या एतराज हो तो वह दिनांक 08.05.2024 को मेरे न्यायालय में असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना दावा या उज्र पेश कर सकता है।

आज दिनांक 08.04.2024 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मोहर सहित जारी किया गया।

हस्ता/- सहायक कलैक्टर, द्वितीय श्रेणी, डबवाली (सिरसा)

जय बालाजी के जयघोष ने पूरा आसमान गूंजा दिया

हनुमान जन्मोत्सव पर शहर में निकाली शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। हनुमान जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकालते श्रद्धालु।

हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रम के शुभारंभ पर आज शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिरकत की। शोभायात्रा के दौरान जयश्री राम, जय हनुमान, जय बालाजी के जयघोष ने पूरा आसमान गूंजा दिया। महिला और पुरूष श्रद्धालु हाथों में धर्म ध्वजा लिए शोभायात्रा में शामिल हुए। दौरान प्रस्तुत की गई झांकियां और कलाकारों द्वारा किए गए नृत्य ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। नगर में जगह जगह पर शोभायात्रा पर पुष्पवर्षा की गई। विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संगठनों ने जगह जगह पर श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद और जलपान की व्यवस्था की गई थी। शोभायात्रा का शुभारंभ शनिवार दोपहर बाद गोल डिग्गी चौक स्थित महाराजा अग्रसेन स्कू ल परिसर से शुरू हुआ। शोभा यात्रा के दौरान महिला कलाकार ने नंगे पांव तलवार पर खड़ा होकर सिर पर मटकी रखकर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसे उपस्थित श्रद्धालुओं ने जमकर सराहा।

ये रहे मौजूद

शोभा में भाजपा नेता गोबिंद कांडा, सिरसा लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर, गोपाल सर्राफ, अश्वनी राठी संरक्षक, महासचिव राधेश्याम झूंथरा, कृष्ण कुमार गोयल कोषाध्यक्ष, सत्यप्रकाश गोयल, राजकुमार गोयल चिडावावाले, अमित बांसल, पुरूषोत्तमदास, सुभाष मोगा, शिवशंकर गोयल, कैलाश सिघांची, भागीरथ गुप्ता एडवोकेट, संजीव जैन एडवोकेट, प्राचार्या जपनीत कौर, नंद किशोर लढ़ा, संजय गोयल एडवोकेट, राजेंद्र गनेरीवाला, मनमोहन गोयल, संजय साहुवाला सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बरवाला। छात्राओं को योगाभ्यास करवाते योग शिक्षक अनिल आर्य।

शिक्षक अनिल आर्य ने योग करवाया

बरवाला। गांव खेदड़ में स्थित राजकीय कन्या मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला के प्रांगण में ऋषि वाणी लाइब्रेरी के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय योग कक्षा और बाल शिविर संपन्न हुआ। योग शिक्षक अनिल आर्य ने छात्राओं को योगाभ्यास करवाते हुए कहा कि योग विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने योग की परिभाषा बताते हुए कहा कि योगीराज श्री कृष्ण ने गीता उपदेश में कहा कि कर्मों को कुशलतापूर्वक करना योग है और बुरी वृतियों को दूर करना उन पर नियंत्रण रखना योग है। आज योग कक्षा में व्यायाम, योगासन सर्वांगासन, हलासन , ताड़ासन, पद्मासन, पश्चिमोत्तानासन, शीर्षासन और कपाल भाती अनुलोम विलोम व भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया। बाल शिविर के संयोजक मास्टर देवेंद्र ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि माता पिता और शिक्षक ये हमारे तीन गुरु होते है।

खबर संक्षेप

दो मोटरसाइकिल में टक्कर, बाप-बेटा घायल

फतेहाबाद। टोहाना शहर में दो मोटरसाइकिलों के बीच हुई टक्कर में बाईक सवार बाप-बेटा घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। इस बारे टोहाना पुलिस को दी शिकायत में गिलां वाली ढाणी टोहाना निवासी कुलदीप ने कहा है कि वह बराड़ चौक टोहाना पर फलों की रेहड़ी लगाता है। गत दिवस रात को वह अपने लड़के मोनू के साथ मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर जा रहा था। जैसे ही आईजी कॉलेज के पास पहुंचे तो भूना की तरफ से आ रहे एक मोटरसाइकिल के चालक ने मोटरसाइकिल को लापरवाही व तेजगति से चलाते हुए उनके मोटरसाइकिल में टक्कर दे मारी।

खालसा कॉलेज में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

रतिया। खालसा त्रिशताब्दी राजकीय महाविद्यालय रतिया में अंग्रेजी विभाग द्वारा क्विज कंटेस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज प्राचार्य प्रेम मेहता ने की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी प्रश्नोत्तरी का अभ्यास करके आलोचनात्मक सोच का अभ्यास कर सकते हैं और रचनात्मकता सीखने की आदत विकसित कर सकते हैं। अंग्रेजी का महत्व आधुनिक समय में बहुत अधिक बढ़ हुआ है।

घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी

सिरसा। शहर के थेहड़ मोहल्ला में घर के बाहर गली में खड़ी मोटरसाइकिल चोरी हो गई। पुलिस को दी शिकायत में राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि उसने बीती 17 अप्रेल की सुबह घर के बाहर गली में अपना बाइक खड़ी की थी। कुछ देर बाद संभाली तो बाइक गायब मिली। उन्होंने अपने स्तर पर आसपास के लोगों से भी काफी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा, जिसपर पुलिस को सूचित किया गया।

साईं बाबा के भजनों से गूंजा शहर

रानियां। एक शाम साईं जी के नाम विशाल साईं पालकी यात्रा शनिवार को शहर में बड़ी ही धूमधाम से निकाली गई। पालकी यात्रा साईं मंदिर से चलकर शहर के मुख्य बाजारों व घरों से होकर वापिस दीप पैलेस में जाकर सम्पन्न हुई। सभी साईं भक्तों द्वारा निकाली गई विशाल साईं पालकी यात्रा का शहर में हर जगह फूल बरसाकर व धार्मिक भजनों के साथ बहुत ही सुंदर तरीके से स्वागत किया गया। इस दौरान शिव पार्वती की भव्य झांकी भी निकाली गई।

बस सवार महिला का बैग चोरी

सिरसा। शहर के बस अड्डा में बस में चढ़ते वक्त किसी ने भीड़ का फायदा उठाकर एक महिला के बैग से आभूषण चोरी कर लिए। पुलिस को दी शिकायत में विजय नगर निवासी रेणू ने बताया कि शाम को वह विजयनगर से बस में सवार होकर सिरसा आई थी और सिरसा से फतेहाबाद की बस में सवार हो रही थी। इसी दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी ने उसके बैग में रखा पर्स, जिसमें सोने के आभूषण 2 अंगूठी, 2 लोकेट, एक मंगलसूत्र व दो टोपस चोरी कर लिया। बस में सवार होने के बाद जैसे ही उसने बैग संभाला तो उसे घटना का पता चला।

किसानों ने भाजपा प्रत्याशी व पुलिस के खिलाफ की नारेबाजी

गिरफ्तार किसानों को पुलिस ने निजी मुचलके पर किया रिहा

धरने में जिले के अन्य शहरों से भी भारी संख्या में किसान पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रतिया

रतिया। गिरफ्तार किए गए किसानों का रिहा होने के बाद स्वागत करते हुए।

रतिया में शुक्रवार को भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर का विरोध करने वाले किसानों को मुकदमे दर्ज कर गिरफ्तारी के विरोध में किसानों द्वारा सिटी पुलिस थाने के समक्ष शुक्रवार रात से शुरू किया गया अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को भी जारी रहा। आज धरने में जिले के अन्य शहरों से भी भारी संख्या में किसान पहुंचे और उन्होंने पुलिस प्रशासन और बीजेपी उम्मीदवार के खिलाफ नारेबाजी की। दोपहर बाद जब पुलिस द्वारा किसानों को सूचना भेजी गई थी वह गिरफ्तार किए गए किसानों की जमानत करवा ले तो किसानों ने जमानत करवाने से इनकार कर दिया और बिना शर्त रिहाई करने की मांग की। इसके बाद पुलिस के कर्मचारियों द्वारा खुद ही निजी मचलके पर सभी किसानों को जमानत पर छोड़ दिया गया। जमानत पर रिहा होने के बाद किसान नारे लगाते हुए धरना स्थल पर पहुंचे और फिर से बीजेपी उम्मीदवार व अन्य नेताओं के विरोध का ऐलान कर दिया। शनिवार को धरने के दौरान अध्यक्षता ब्लॉक प्रधान कर्म सिंह ने की जबकि मंच संचालन अजय सिधानी ने किया।

इस दौरान मास्टर अजीत, एडवोकेट अमित, उत्तम तलवाड़ी, बंटी पार्षद, सतपाल सिंह अन्य किसान नेताओं ने संबोधित करते हुए कहा कि हरियाणा पुलिस बीजेपी के नेताओं के हाथों की कठपुतली बनी हुई है और बीजेपी के नेताओं के इशारों पर काम कर रही है। शुक्रवार को उनके किसान साथी भाजपा प्रत्याशी अशोक तवर से लोकतांत्रिक तरीके से सवाल जवाब करने गए थे लेकिन भाजपा प्रत्याशी के कहने पर पुलिस द्वारा डेढ़ दर्जन किसानों को तानाशाही तरीके से गिरफ्तार किया गया और उनके खिलाफ मुकदमे दर्ज कर उनको सारी रात जेल में रखा गया।

किसान नेताओं से सवाल जवाब करना चाहते हैं

बीजेपी के नेता पुलिस दबाव के तहत अपने कार्यक्रम करवा रहे हैं जबकि किसान शांतिपूर्वक तरीके से भाजपा नेताओं से सवाल जवाब करना चाहते हैं और उन्हें सवाल जवाब भी नहीं करने दिया जाता। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवारों की हार के लिए किसान पूरा जोर लगा देंगे और जब तक उनके साथियों को बिना शर्त रिहा नहीं किया जाता वह अपना धरना जारी रखेंगे। खेती बचाओ किसान कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता राम जाट व जिला प्रधान राजविंदर सिंह चहल भी किसानों के धरने को समर्थन देने धरना स्थल पर पहुंचे और कहा कि उनकी कमेटी किसानों की गिरफ्तारी की निंदा करती है और पुलिस प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर गिरफ्तार किसानों को जल्द रिहा नहीं किया जाता तो वह बड़ा आंदोलन करेंगे। दूसरी तरफ आज अशोक तंवर के शहर में दौरे को देखते हुए भारी पुलिस फोर्स की भी व्यवस्था की हुई थी और पुलिस फोर्स के साये में ही अशोक तंवर ने अपने राजनीतिक कार्यक्रम किया।

डॉ. मनु का किया अभिनंदन व स्वागत

- यू.पी.एस.सी. की परीक्षा में 434 वां रैंक किया हासिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। डॉ. मनु भोभरिया को सम्मानित करते ट्रस्ट के पदाधिकारी।

यू.पी.एस.सी. की परीक्षा में 434 वां रैंक हासिल करने वाली सिरसा जिले के गांव छतरियां निवासी डॉ. मनु भोभरिया का परिवार सहित सिरसा पहुँचने पर दक्ष प्रजापति एजुकेशन ट्रस्ट सिरसा व जिला युवा कुम्हार संगठन की ओर से जोरदार स्वागत किया गया। रानियां रोड स्थित कुम्हार धर्मशाला में ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मनु भोभरिया को पगड़ी पहनाकर व स्मृति चिन्ह भेंट कर 'कुम्हार समाज का गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के प्रधान प्रो. रामचंद्र लिम्बा ने बताया कि देश की सबसे प्रतिष्ठित सेवा में स्थान प्राप्त करने के लिए लाखों युवा संघर्ष और मेहनत करते हैं, लेकिन सफलता कुछ भाग्यशाली लोगों को ही मिलती है। डॉ. मनु भोभरिया ने पहले ही प्रयास में 434 वां रैंक हासिल कर ना केवल परिवार व कुम्हार समाज का गौरव बढ़ाया है। बल्कि सिरसा जिले का भी नाम रोशन किया है। डॉ. मनु वर्मा ने अपनी सफलता का श्रेय नियमित अध्ययन व कड़ी मेहनत और माता पिता के आशीर्वाद को दिया। इस अवसर पर मनु की दादी नाथी देवी, पिता देवीलाल, माता जितेंद्र कौर, ताया स. दलजीत सिंह, चाचा राजेंद्र सिंह, बलजिंदर भोभरिया सहित सभी को बुक्के देकर सम्मानित किया गया।

सुदर्शन बने ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी विधानसभा के उपाध्यक्ष

फतेहाबाद। समाजसेवी सुदर्शन नरूला को ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी फतेहाबाद विधानसभा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। विधानसभा अध्यक्ष नगर पार्षद अर्जुन कटारिया ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर बधाई दी। अपनी नियुक्ति पर सुदर्शन नरुला ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, वह उसका पूरी निष्ठा व ईमानदारी से निर्वाह करेंगे। उन्होंने अपनी नियुक्ति पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्यवंशी कमल हांडा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साहब दयाल वधवा, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश चुघ व अर्जुन कटारिया का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारी व सदस्यों ने सुदर्शन को फूल मालाएं पहनाकर तथा मिठाई खिलाकर बधाई दी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने अध्यापकों को दिलाई मतदान करने की शपथ

फतेहाबाद। पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, फतेहाबाद में जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई ने जिले भर के अध्यापकों को मतदान करने की शपथ दिलवाई। उन्होंने आह्वान किया कि 25 मई को होने जा रहे लोकतंत्र के महापर्व में मतदान रूपी आहुति डालकर लोकतंत्र को मजबूत बनाने में अपना योगदान दें। उन्होंने यह भी संकल्प दिलाया कि सभी अध्यापक अपने-अपने विद्यालयों के छात्रों के माध्यम से स्वीप गतिविधियों को आयोजित करके जन जागरूकता अभियान चलाए व अपना वोट डालने के लिए प्रेरित करें। इस अवसर पर प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार, जिला समन्वयक तरूण गेरा, रामचंद्र वर्मा, अनूप सिंह, एनएसएस प्रभारी रोहताश कड़वासरा, नीतू, सीमा, आशा आदि मौजूद रहे।

ब्रह्मलीन स्वामी अचलानंद गिरी की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

सिरसा। ब्रह्मलीन स्वामी अचलानंद गिरी की जयंती मनाते श्रद्धालुजन।

शहर के बी-ब्लॉक पार्क में बीते शुक्रवार को सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ब्रह्मलीन स्वामी अचलानंद महाराज की जयंती पूरी श्रद्धा से मनाई। इस अवसर पर सत्संग एवं भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने एकस्वर में कहा कि स्वामी अचलानंद महाराज सदैव आध्यात्मिक ज्ञान व सेवा पर जोर देते थे। उन्होंने ताउम्र जरूरतमंदों की सेवा के लिए प्रेरित करते थे। उन्हीं से प्रेरणा पाकर समस्त श्रद्धालु पूर्णिमा एवं अमावस्या पर स्थानीय रेलवे स्टेशन पर जरूरतमंदों को भोजन करवाया जाता है। इस मौके पर श्रद्धालुओं ने स्वामी जी की याद में भजन प्रस्तुत कर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान भंडारा आयोजित किया गया जिसमें उपस्थित सैकड़ों श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

ये रहे मौजूद

भंडारे में अपना योगदान देने वालों में वेद मल्होत्रा, उमेश, प्रेम नरूला, ओम, हरीश नरूला, राजेश मल्होत्रा, संदीप मल्होत्रा, देवराज, रमेश, बालकृष्ण विज, पप्पू मुंजाल, राजू खत्री, वेद, सुमन मित्तल, राज खुंगर, डॉ. मनीष, वीरभान मेहता, डॉ. सतीश, अनिल गुप्ता, गुरदीप सैनी, नीना कोचर, रितु मल्होत्रा, मंजु, नीलम खुराना, अनु, सरोज नरूला, वंदना, ज्योति नरूला आदि शामिल थे।

सद्भावना आयुर्वेदिक अस्पताल की शुरुआत

- आयुर्वेदिक व एलोपैथी दोनों सेवाएं मिलेंगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। सद्भावना अस्पताल में डॉ. मोहित अरोड़ा का स्वागत करते डॉ. अमित कुमार। फोटो : हरिभूमि

सद्भावना अस्पताल में अब आयुर्वेदिक व एलोपैथी दोनों सेवाएं मिलेंगी। ऐसी सेवाएं देने वाला यह क्षेत्र का एकमात्र अस्पताल बन गया है। यहां इंटीग्रेटिड ट्रीटमेंट की सेवाएं उपलब्ध हैं। सद्भावना आयुर्वेदिक अस्पताल की शुरुआत हो गई है। यहां आयुर्वेदिक व पंचकर्मा स्पेशलिस्ट डॉ. मोहित अरोड़ा अपनी सेवाएं देंगे। डॉ. मोहित ने बैंगलोर से बीएएमएस तथा काया चिकित्सा में एमडी की पढ़ाई की है।

2014 में डॉ. मोहित आयुर्वेदिक कॉलेज सिरसा में कार्यरत रहे। इसके बाद 2023 तक सिविल अस्पताल फतेहाबाद में पंचकर्मा स्पेशलिस्ट के तौर पर अपनी सेवाएं दी। उन्होंने 2019 में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पुणे से किया वहीं 2023 में मेदांता अस्पताल गुरूग्राम में कंसलटेंट के पद पर कार्यरत रहे। डॉ. मोहित ने कहा कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति से पुराने व जटिल रोगों के इलाज में मदद मिलती है। इसमें पैरालिसिस, पुराने स्किन रोग, शुगर, सेक्स रोग, पुराने त्वचा के रोग, गुर्दे व लीवर के रोग, पुराने सिर का दर्द, दौरे पड़ना तथा ऐसे रोग जिनका एलोपैथिक दवाओं से पूर्ण इलाज संभव नहीं है, उनका उपचार का प्रयास किया जाता है तथा लाभ भी प्राप्त होता है। डॉ. मोहित ने बताया कि बच्चों के चश्मे का बढ़ता नंबर भी अक्षितर्पण से ठीक किया जा सकता है। पंचकर्मा इलाज ना केवल रोगी के लिए बल्कि स्वस्थ व्यक्ति के लिए भसी डिटॉक्सिफिकेशन के लिए भी करवा सकते हैं। अस्पताल के संचालक डॉ. अंशुल सहगल ने बताया कि आयुर्वेदिक चिकित्सा भारत की मूल चिकित्सा है तथा बिना साइड इफैक्ट के काम करती है। डॉ. अमित कुमार ने बताया कि सरकार तथा प्राइवेट टीपीए दोनों आयुष चिकित्सा को मान्यता दे चुकी है।

लाइसेंसी हथियार जमा करवाने में सिरसा पुलिस रेंज में अव्वल

- अब तक करीब 70 फीसदी लाइसेंसी हथियार जमा करवाए जा चुके

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

लोकसभा चुनाव को निष्पक्ष, स्वतंत्र तथा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न करवाने के मद्देनजर लाइसेंसी हथियार जमा करवाने के मामले में जिला पुलिस सिरसा अब तक हिसार मंडल में प्रथम स्थान पर है। जिला पुलिस की ओर से अब तक करीब 70 फीसदी लाइसेंसी हथियार जमा करवाए जा चुके हैं।

पुलिस जिला सिरसा में कुल 7854 लाइसेंसी हथियार हैं जिनमें से 5494 लाइसेंस हथियार जिला पुलिस की ओर से संबंधित थानों तथा गनहाउस में जमा करवाए जा चुके हैं। पुलिस अधीक्षक विक्रांत भूषण ने बताया कि आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव को लेकर जिला पुलिस सुरक्षा की दृष्टि से पूरी तरह से अलर्ट है तथा जिला में कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न करने के लिए लाइसेंसी हथियार जमा करवाए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया कि जिला के सभी पुलिस अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि बाकी बचे लाइसेंसी हथियारों को भी निश्चित समय अवधि में जमा करवाना सुनिश्चित करें। जिला पुलिस की ओर से सभी लाइसेंसधारकों से कहा गया है कि वे अपने लाइसेंसी हथियार शीघ्र अति शीघ्र संबंधित थानों में जमा करवा दें।

सैनिक स्कूल में सेमिनार आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। सैनिक स्कूल खाराखेड़ी में आयोजित सेमिनार में उपस्थित शिक्षक व विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

रॉयल इंटरनेशनल रेजिडेंशियल स्कूल और सैनिक स्कूल खाराखेड़ी में सीबीएसई द्वारा एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार का विषय वित्तीय साक्षरता और डिजिटल उपकरणों का उपयोग था। इस सेमिनार में संदीप गिरधर ने मुख्य प्रवक्ता के तौर पर शिरकत की। दो घंटे चले इस सेमिनार में रॉयल और सैनिक स्कूल के शिक्षण एवं गैर शिक्षण स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। मुख्य प्रवक्ता संदीप गिरधर ने बताया कि हमें अपने पैसे का सदुपयोग और निवेश कैसे करना चाहिए। उन्होंने म्युचुअल फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और टर्म इंश्योरेंस की जानकारी दी ताकि रिटायरमेंट के बाद किसी भी प्रकार की आर्थिक परेशानी ना उठानी पड़े। उन्होंने आजकल हो रहे डिजिटल फ्रॉड से बचने के उपाय भी सुझाए। यह सेमिनार सभी के लिए बहुत लाभदायक रहा। इस अवसर पर स्कूल संचालिका डॉ. ज्योत्सना, स्कूल प्रशासक विक्रमादित्य, सैनिक स्कूल कमांडेंट कर्नल डीवी नेहरा और स्कूल प्रिंसिपल डॉ. आरए प्रभाकर भी उपस्थित रहे।

भूना में युवाओं को मतदान के लिए किया जागरूक

- मतदान की दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

नेहरू युवा केंद्र व खेल मंत्रालय द्वारा अतिरिक्त उपायुक्त के दिशा निर्देशानुसार सार्वजनिक स्थानों पर मतदाता जागरूकता व हस्ताक्षर अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में खंड भुना में शनिवार को स्वयंसेवक सूरज कंबोज व स्वयंसेविका पिंकी रानी द्वारा भूना के बस स्टैंड पर मतदाता जागरूकता कार्यक्त्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे स्वयंसेवक सूरज कंबोज व पिंकी रानी ने युवाओं व नागरिकों को एकत्रित कर उन्हें मतदान के प्रति जागरूक किया व उन्हें निष्पक्ष भाव से 25 मई को होने वाले लोकतंत्र चुनाव में 100 प्रतिशत मतदान करने की शपथ दिलाई। इस कार्यक्रम के दौरान युवाओं को सि-विजल एप्प के बारे में भी जानकारी दी गई। सूरज कंबोज व पिंकी रानी ने युवाओं को बताया कि हमें अपने आस पास हो रही अनैतिक गतिविधि व अनुचित ढंग से धर्म, भाषा आदि माध्यम से लोगों का ध्यान भटका रहे है। उन प्रतिनिधियों की शिकायत हम इस एप्प के द्वारा दे सकते है व जानकारी देने वाले का नाम गुप्त रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि हम सब नागरिकों का यह कर्तव्य बनता है कि हम इस बार होने वाले चुनाव को पारदर्शी तरीके से पूर्ण करवाए।

ओढ़ा में निशुल्क वित्तीय साक्षरता केंद्र का उद्घाटन

ओढां। जिला सिरसा में वित्तीय साक्षरता अभियान के तहत आरोह फाउंडेशन के दूसरे कार्यालय का उद्घाटन ओढ़ा में किया गया। जानकारी देते हुए ओढ़ा के वित्तीय साक्षरता कार्यकर्ता विनोद सुधार रताखेड़ा ने बताया कि इस कार्यालय का उद्घघाटन पंजाब नेशनल बैंक के अग्रणी विकास प्रबंधक संजीव गर्ग और आरोह फाउंडेशन से जिला प्रबंधक ओम प्रकाश यादव ने रिबन काटकर किया। इस दौरान मुख्यवक्ताओं ने वित्तीय साक्षरता केंद्र के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। जिला कॉर्डिनेटर ओम प्रकाश यादव ने वित्तीय साक्षरता केंद्र के बारे में बताते हुए कहा कि ओढ़ा में बनाए गए इस ऑफिस के अंतर्गत ओढ़ा, बड़ागुढा और डबवाली क्षेत्र में वित्तीय साक्षरता कार्यकर्ता रखे गए हैं। इन कार्यकर्ताओं का मुख्य उद्देश्य सरकार द्वारा बैंकों के माध्यम से चलाई जा रही विभिन्न लाभकारी योजनाओं को आम जनमानस तक पहुंचना है, जैसे की जनधन खाता, सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना आदि व इसके अलावा बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले निर्देशों को भी आम जनता तक पहुंचाया जाएगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9653530209, 9315429403, 9253681005

सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन भी किया

क्रेसेंट पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। क्रेसेंट स्कूल में राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

क्रेसेंट स्कूल में सिविल सेवा अधिकारियों के कार्य और प्रयासों को प्रेरित करने और उनकी सराहना करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लोक सेवा दिवस मनाया गया। इस आयोजन में जीविका के मंच संचालन में अन्वी, प्रभनूर, हरमन तथा हरशील ने प्रशासनिक सेवकों के प्रयासों से संबंधित विचार प्रस्तुत किये। हश्मिता व मिष्टी ने अपने व्याख्यान के माध्यम से कहा कि सिविल सेवा वह स्तंभ है, जिस पर सरकार देश की नीतियों और कार्यक्रमों को सुचारू रूप से चलाती है। ज्येष्ठा ने अपनी कविता 'संघर्ष तो जीवन में करना ही पड़ता है' के द्वारा लोक सेवकों के संघर्षों का वर्णन किया। मानवी तथा ओवी ने सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछकर विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया। रिद्धि, ऋषिका, रोबिन, अक्षत व दिशा ने क्रमशः नरेटर, डिप्टी कमीशनर, पुलिस कमीशनर इत्यादि की भूमिका निभाते हुए उनके कायार्ें व समाज में योगदान के विषय में विद्यार्थियों को अवगत कराया। नव्यम, यशदीप, सानवी, रिपजोत ने स्लोगन के माध्यम से प्रशासनिक सेवकों के योगदान को सलाम किया। प्रशासनिक सेवा दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय में भाषण प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें 8वी कक्षा के प्रतिभागियों ने प्रशासनिक सेवकों के विषय मे महत्वपूर्ण जानकारिया दी। उन्होंने बताया कि पहला समारोह 21 अप्रैल, 2006 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। इस दिन लोक प्रशासन में विशिष्टता के लिए प्रधानमंत्री द्वारा पुरस्कार भी दिए जाते हैं। सिविल सेवकों के योगदान को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। निर्णायक मंडल द्वारा विभिन्न प्रतिभागियों के प्रस्तुतीकरण व विषय सामग्री पर आंकलन करते हुए खुशमीत प्रथम, महक द्वितीय तथा विश्वजीत को तृतीय घोषित किया गया। प्रधानाचार्या पूनम ने विद्यार्थियों को जानकारी दी कि चार्ल्स कॉर्नवॉलिस को भारत में नागरिक सेवाओं के पिता के रूप में जाना जाता है।

संस्कृत विभाग में छन्दोबोधः कार्यशाला का आयोजन

सिरसा। चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के तत्वावधान में छन्दोबोधः कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृत के विद्वान प्रो.आर.पी.मिश्रा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने मुख्यवक्ता के रूप शिरकत की। कार्यशाला का शुभारम्भ सरस्वती वन्दना से हुआ कार्यक्त्रम की अध्यक्षता डॉ. रवीन्द्र ढिलों, संस्कृत विभागाध्यक्ष के द्वारा की गई। डॉ. रवीन्द्र ढिलों ने संस्कृतभाषा को जनभाषा और व्यवसायिकी आयामों से जोड़ने का उद्देश्य स्पष्ट किया। मुख्यवक्ता प्रो.आर.पी.मिश्रा ने कार्यशाला में भाषा के मूल तत्वों जैसे-वर्ण उच्चारण, गण-ज्ञान, छन्दों में गति-यति-लय का सही समन्वय करते हुए बच्चों से छन्दों का सस्वर वाचन करवा गया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 21 अप्रैल 2024

विशेषः पृथ्वी दिवस, 22 अप्रैल

हम सभी इस बात को जानते और समझते हैं कि हमारा वजूद पृथ्वी की वजह से ही संभव है। इसके बावजूद हमारी गतिविधियां धरती को लगातार संकटग्रस्त कर रही हैं। इसके दुष्प्रभाव दिखने लगे हैं और भविष्य में स्थितियां और भी भयावह हो सकती हैं। ऐसा ना हो, हमारी धरती और हम सभी सुरक्षित रहें, इसके लिए बिना देर किए हर किसी को प्रयास करने होंगे।

हमारे कारण संकटग्रस्त हो रही है
हमारी पृथ्वी

{ कवर स्टोरी / शिखर चंद जैन }

जिस धरती मां ने हमें जीवन दिया, प्राणवायु दी, पीने को पानी और खाने को भोजन दिया, आज वही अपनी जीवनरक्षा के लिए जूझ रही है। हम मनुष्यों ने स्वार्थ और सुविधाओं में खोकर इसका बेतहाशा दोहन किया है, जिससे प्राकृतिक संतुलन बिगड़ गया है। हमारी लापरवाही और स्वार्थ के कारण न सिर्फ पृथ्वी का अपने मूल स्वभाव में बने रहना दूभर हो रहा है बल्कि इसकी गति और स्वाभाविक गतिविधियां भी बाधित हो रही हैं।

गति में आ रही बाधा

आपको जानकर आश्चर्य होगा कि वनों की बेतहाशा कटाई, प्राकृतिक संपदा के नासमझीपूर्ण उपयोग और दोहन से धरती के सबसे ठंडे स्थान भी धीरे-धीरे गर्म होने लगे हैं। अंटार्कटिका में बर्फ पिघलने से पृथ्वी की घूर्णन गति में भी कमी आ रही है, जिससे विश्व की घड़ियां भी गड़बड़ा सकती हैं। पृथ्वी हर 23 घंटे 56 मिनट और 4 सेकेंड में अपना चक्कर पूरा करती है। इसके घूमने की गति 1674 किलोमीटर प्रति घंटा है। यह रफ्तार किसी लड़ाकू विमान जितनी है। पर पृथ्वी का आकार इतना बड़ा है कि हमें इसके घूमने का पता नहीं लग पाता। अंतरिक्ष या उपग्रहों के जरिए पृथ्वी को घूमते हुए देखा जा सकता है।

एक नए अध्ययन में पाया गया कि इसके सर्व निर्देशांकित समय (कोर्डिनेटेड यूनिवर्सल टाइम) में से एक सेकेंड कम करने की आवश्यकता पड़ सकती है। इस अध्ययन के लेखक डंकन एग्न्यू हैं। ये अमेरिका के सेंडियागो में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय में भू-भौतिक विज्ञानी हैं। यह अध्ययन 'नेचर' पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नष्ट हो रहे ऑक्सीजन स्रोत

पृथ्वी पर ऑक्सीजन के मूल स्रोत पेड़-पौधे लगातार नष्ट हो रहे हैं। इसके साथ ही नदियां, समुद्र और जल संग्रह प्रदूषित और विषाक्त होते जा रहे हैं। जंगलों में आग लगने की घटनाएं दिनों- दिन बढ़ रही हैं। पिछले कई दिनों से तमिलनाडु के नीलगिरी में कुन्नूर वन क्षेत्र में जंगल की आग भड़क रही है। 1901 के बाद फरवरी 2024, दक्षिण भारत में सबसे गर्म महीना रहा है। पिछले दो महीने में दक्षिण भारत के कई राज्यों में अधिकतम, न्यूनतम और औसत तीनों ही तापमान सामान्य से ऊपर बने हुए हैं। इसी के परिणामस्वरूप सर्दियों के मौसम के दौरान भी इन वनों में शुष्क बायोमास की उपलब्धता बहुत ज्यादा है, जिसके कारण आग तेजी से फैल रही है। जंगलों में आग लगने का सबसे आम कारण मानवीय लापरवाही है। इसके अंतर्गत जलती हुई माचिस, सिगरेट के बिन बुझे टोटे को फेंकना, जंगलों में खाना पकाना, जानवरों को मारने के लिए या उन्हें डराने के लिए आग जलाना, शहद इकट्ठा करने के लिए आग लगाना आदि कारण शामिल हैं। प्राकृतिक कारणों में बिजली गिरना भी इसकी एक बड़ी वजह है। 2021 में भारत के कई राज्यों में वन अग्नि की अनेक घटनाएं देखने को मिलीं। साल 2023 में गोवा के वन क्षेत्र में बड़ी आगजनी की घटना हुई। 2024 में अब तक मिजोरम में 3738, मणिपुर में 1702, असम में 1652, मेघालय में 1252 और महाराष्ट्र में 1215 आग लगने की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं।

बिगड़ रहा है आकार और प्रकार

पृथ्वी पर गर्मी बढ़ने से ग्लेशियर पिघलते जा रहे हैं। इसका असर पृथ्वी की बेस लाइन पर पड़ रहा है और इसका शेप बिगड़ रहा है। हम इतना प्रदूषण फैला रहे हैं कि 2050 तक धरती का तापमान 2 डिग्री और बढ़ जाएगा। ऐसा हुआ तो कहीं भीषण सूखा पड़ेगा तो कहीं विनाशकारी बाढ़ आएगी। ग्लेशियर पिघलकर नष्ट हो जाएंगे तो जाहिर है इसके कारण समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। बढ़े हुए जल स्तर के कारण कई शहर हमेशा के लिए डूब जाएंगे। आपको जानकर चिंता और हैरानी होगी कि धरती पर समस्त जीवित प्राणियों यानी जल, थल, नभ में रहने वाले पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों का कुल भार से, मनुष्य निर्मित चीजों जैसे इमारतों, मशीनों आदि का भार बढ़ गया है। इसका वजन 2040 तक तीन टेराटन हो जाएगा। एक टेरा टन यानी ट्रिलियन टन के बराबर होता है और 1 टन में हजार किलोग्राम होते हैं। इसी से अंदाजा लगा सकते हैं कि यह भार कितना ज्यादा होगा। प्लास्टिक का इस्तेमाल भी हम बेतहाशा करने लगे हैं। इसका दुष्परिणाम भी पृथ्वी को ही भोगना पड़ रहा है।

ऐसे बचाएं अपनी धरती

धरती मां को बचाने के लिए हम सभी को प्रण करना होगा कि अपनी धरती को बचाने के लिए कोई भी कसर नहीं छोड़ेंगे। हमें जियो और जीने दो के मूल मंत्र पर काम करना होगा। इसके लिए पशु-पक्षियों का अनावश्यक शिकार रोकना होगा। मांसाहार छोड़कर शाकाहार अपनाना होगा। प्लास्टिक का न्यूनतम उपयोग करने का निश्चय करना होगा। पेड़-पौधों का संरक्षण और संवर्द्धन करना होगा। पर्यावरण को गर्म करने वाली गैसों का उत्सर्जन रोकने के लिए हमें तरह-तरह के उपाय करने होंगे। इसके लिए हमें जीवनशैली को ईकोफ्रेंडली बनाना होगा। इसके तहत बेवजह बिजली का उपयोग यानी बर्बादी रोकनी होगी। जैविक ईंधन यानी पेट्रोल, डीजल, केरोसिन तेल की बर्बादी रोकने और इनका उपयोग न्यूनतम करने का प्रयास करना होगा। साथ ही सौर ऊर्जा के उपयोग की आदत डालनी होगी। वैज्ञानिकों को भी गैर जैव ऊर्जा का निर्माण करने की ओर प्रयास करने होंगे। हमें अपनी दैनिक आदतों में जीरो वेस्ट नीति अपनाने, पानी के दुरुपयोग को रोकने और कचरे का सही निस्तारण करने जैसी आदतें शामिल करनी होंगी। कुल मिलाकर धरती की सेहत तभी सुधरेगी, जब हम इसका अनावश्यक दोहन करने की प्रवृत्ति पर लगाम कसने में कामयाब होंगे। *

ग्लोबल वार्मिंग से बढ़ रहा आइसक्रीम का कारोबार

साल 2022 में, भारत में आइसक्रीम बाजार का आकार 3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से ज्यादा था, जबकि अगले पांच सालों में 13.49 फीसदी की सालाना वृद्धि दर का अनुमान है। वैश्विक आइसक्रीम बाजार की बात करें तो साल 2018 में यह 62.4 बिलियन डॉलर था, जबकि साल 2025 तक इसके बढ़कर 97.3 बिलियन डॉलर होने का अनुमान है। इन दो तथ्यों से साफ है कि जैसे-जैसे धरती के तापमान में बढ़ोत्तरी हो रही है, उसी रफ्तार से इंसान में गला तर करने वाली ठंडी चीजों की चाहत बढ़ रही है। इससे साफ है कि नए-नए स्वादों, प्रकारों के चलते क्या विकसित और क्या विकासशील, सभी देशों में आइसक्रीम की मांग बढ़ रही है। आइसक्रीम का ग्लोबल वार्मिंग के साथ महज विरोधाभासी रिश्ता भर नहीं है बल्कि सूक्ष्म स्तर पर ही इससे यह साबित होता है कि बढ़ रही गर्मी की बेचैनी ने इंसान को आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित किया है।

जानकारों की माने तो साल 2024 आइसक्रीम के करोबार के लिहाज से बहुत हॉट होने वाला है, विशेषकर भारत में जहां आशंका है कि इस साल बाकी सालों के मुकाबले 20 से 22 दिनों तक ज्यादा गर्मी पड़ेगी। साथ ही 13 से 17 दिन तक ज्यादा लू चलेगी। ऐसी स्थिति में ठंडी-ठंडी आइसक्रीम का कारोबार बढ़ेगा ही। खासकर तब, जब आइसक्रीम के बाजार में नए से नए एक्सपेरिमेंट भी हो रहे हैं। इसके अलावा आज अपने देश के लगभग सभी बड़े शहरों में इंडियन आइसक्रीम एक्सपो आयोजित होने लगे हैं। इंडियन मैरिज बाजार के अध्ययन के मुताबिक पिछले एक दशक में शादियों में आइसक्रीम का चलन 20 फीसदी तक बढ़ा है और खान-पान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आइसक्रीम बन गई है। यह भी देखने में आ रहा है कि अब सिर्फ बच्चे ही आइसक्रीम के दीवाने नहीं हैं, अपने देश में होने वाली शादियों में 35 फीसदी से ज्यादा आइसक्रीम बूढ़े और अधेड़ खाते हैं।

डॉक्टर और मनोवैज्ञानिक दोनों इस निष्कर्ष से सहमत हैं कि ग्लोबल वार्मिंग के चलते लोगों में गर्मी के एहसास की जो बेचैनी बढ़ी है, उस वजह से लोगों में मीठा और ठंडा खाने की ललक बढ़ रही है। मतलब साफ है कि जब आसमान से आग बरसेगी तो लोग खुद को तरोताजा रखने के लिए आइसक्रीम जैसी ठंडी चीजों की तरफ आकर्षित होंगे ही। -नयनतारा

महेंद्र सिंह धोनी क्रिकेट के सुपर स्टार्स में शामिल हुए हैं तो इसकी वजह है, उनकी पर्सनालिटी में शामिल कुछ विशेष गुण। इन गुणों को सीखकर आप भी अपनी फील्ड में सफल लीडर बन सकते हैं।

लीडरशिप के कई गुण हमें सिखाते हैं महेंद्र सिंह धोनी

{ मोटिवेशन / अतुल मलिकराम }

अपने क्षेत्र विशेष में किसी न किसी व्यक्ति के ऊपर लीडरशिप का जिम्मा होता ही है। मायने यह रखता है कि वह उसे निभाता किस तरह से है? इस लिहाज से सबसे पहले याद आने वाले नामों में महेंद्र सिंह धोनी का नाम भी शामिल है। धोनी की लीडरशिप क्वालिटीज के बारे में आप भी जरूर जानना चाहेंगे।

उदाहरण से लीड करना : उदाहरण के तौर पर नेतृत्व करना धोनी की लीडरशिप की सबसे महत्वपूर्ण खूबियों में से एक है। धोनी के भीतर हमेशा ही अटूट समर्पण, अविश्वसनीय कार्य नीति और अत्यधिक शांत रहकर अच्छा काम करने की कला रही है। निरंतर सुधार के लिए उनकी प्रतिबद्धता और लगातार शानदार परफॉर्मेंस देने की उनकी क्षमता हमेशा ही उनके साथियों को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए प्रेरित करती है।

दृढ़ विश्वास से निर्णय लेना: सामान्य स्थिति से परे, विशेष रूप से दबाव में धोनी की निर्णय लेने की क्षमता तारीफ के काबिल है। चाहे वह एक साहसिक टीम का चयन हो, बैटिंग के ऑर्डर का एडजस्टमेंट हो या फिर एक खेल की दिशा बदलकर रख देने वाला कदम, धोनी ने हमेशा अपनी प्रवृत्ति का समर्थन किया और दृढ़ विश्वास के साथ निर्णय लिया। इस अटूट आत्म-विश्वास ने न सिर्फ उन्हें सम्मान दिलाया, बल्कि उनकी टीम में आत्मविश्वास भी जगाया। अपने फैसले पर भरोसा करना और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी साहसिक निर्णय लेना हम उनसे सीख सकते हैं।

संयम बनाए रखना: जब दबाव की अधिकता हो, ऐसी स्थिति में धोनी का शांत और संयम वाला व्यवहार सबसे अलग निखरकर आता है। उन्होंने कभी भी स्थिति की गंभीरता को खुद पर हावी नहीं होने दिया, बल्कि हमेशा ही अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए तर्कसंगत निर्णय लिया और अपनी क्षमता से सभी को चकित किया। धोनी का धैर्य हमें चुनौतीपूर्ण समय के दौरान समभाव बनाए रखना सिखाता है।

विनम्रता से काम लेना: अपनी अविश्वसनीय उपलब्धियों के बावजूद धोनी हमेशा ही जमीन से जुड़े और विनम्र बने रहते हैं। वे कभी भी अपनी सफलता का श्रेय स्वयं को नहीं देते हैं, बल्कि अपनी टीम के सामूहिक प्रयासों को देते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी विनम्रता से काम लेना चाहिए।

अनुकूलनशीलता और नवीनता: बदलती परिस्थितियों के अनुकूल होने की धोनी की क्षमता और उसके अनुसार नई रणनीतियों के प्रति उनका झुकाव उन्हें अन्य सभी लीडर्स की भीड़ से अलग करता है। स्थिति को देखते हुए हमेशा नए तरीकों की तलाश में रहने वाले धोनी, नई रणनीति और तकनीकों के साथ प्रयोग करने से कभी नहीं डरते हैं। सभी लीडर्स में बदलाव को अपनाने का गुण होना चाहिए।

प्रभावी संवाद: धोनी के लीडरशिप के गुण में कम्युनिकेशन की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। उनके पास अपने विचारों को स्पष्ट रूप से और संक्षेप में यह सुनिश्चित करने की क्षमता है कि टीम का प्रत्येक सदस्य अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझे। लीडर्स को चाहिए कि वे प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स विकसित करने का प्रयास करें, जिससे एक ऐसा वातावरण तैयार हो सके, जहां विचारों का स्वतंत्र रूप से प्रवाह हो और सहयोग को बढ़ावा मिले।

सुनने की क्षमता : धोनी के लीडरशिप के गुणों में से एक है शांति से टीम के सदस्यों की बात सुनने की क्षमता। वे हमेशा ही अपनी टीम के सदस्यों की राय को महत्व देते हैं, उनसे मिलने वाली प्रतिक्रिया को स्वीकार करते हैं और विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करते हुए निर्णय लेते हैं। कुशल लीडर में यह कला होनी चाहिए।

दूसरों को प्रेरित करना: धोनी के पास अपनी टीम के सदस्यों को प्रेरित करने की अनूठी क्षमता है। वे टीम को अपनी क्षमताओं में विश्वास पैदा कराने का बखूबी हुनर रखते हैं। वे अपनी टीम को चुनौतियों से पार पाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। लीडर के रूप में, हमें चाहिए कि हम अपनी टीम को हमेशा प्रेरित करने का प्रयास करें।

रोल मॉडल बनें: धोनी की लीडरशिप की विशेषता उनके रोल-मॉडल बनने संबंधित व्यवहार से भी है। वे अनुशासन और समर्पण के लिए उच्च मानक स्थापित करते हुए, अपनी टीम के सदस्यों के कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने की ताकत रखते हैं। लीडर के रूप में, हमें भी अपने लोगों को प्रेरित करते हुए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का प्रयास करना चाहिए। *

{ कविता / डॉ. नवीन दवे मनावत }

बचाने को धरती

वन सूख रहे हैं
पेड़ तरस रहे हैं पानी को
नदियां कर रहीं विलाप
पर्वत गा रहे दुखड़ा
तुम आओ शकुंतला एक बार।
इनको सहलाने, बहलाने
सुनने को क्षणिक पीड़ा
प्रकृति के साथ एक बार फिर रिश्ता
स्थापित करो
मानव को समझाने के लिए आओ।
हे शकुंतले !
कण्व ऋषि का आश्रम
अब बन गया है
अट्टालिकाओं का शहर
हवन कुंड बन गए हैं
कारखानों की चिमनियां
मंत्र ध्वनियां बन गई हैं युद्ध
की मिसाइलें
धर्म बन गया दानव।
सीता तुम भी आओ वन में एक बार
उज्ज्वल करने वाल्मीकि आश्रम को
समता, ममता स्थापित करने को
लव-कुश तुम रोको
विनाश के अश्वमेध को
तुम्हें बुला रही हैं वहीं पेड़
की टहनियां
जिससे बने थे धनुष और बाण
करने को दमन पाप।
ओ वनपुत्रों तुम रोको
शहर की ओर
बढ़ते कदमों को, सहेजो प्रकृति को
जिसने दिया अनुपम आश्रम
रोको और टोको
रोकना-टोकना जरूरी है
बचाने को धरती
रहने को मानवता...

{ कहानी / यशोधरा भटनागर }

एलबम

पति के गुजरने के बाद वह अकेली रह रही थीं। चारों बच्चे उनसे दूर अपने-अपने जीवन में मशगूल। बच्चों के स्नेह को तरसती, यादों के सहारे जीती एक वृद्धा की मार्मिक कहानी।

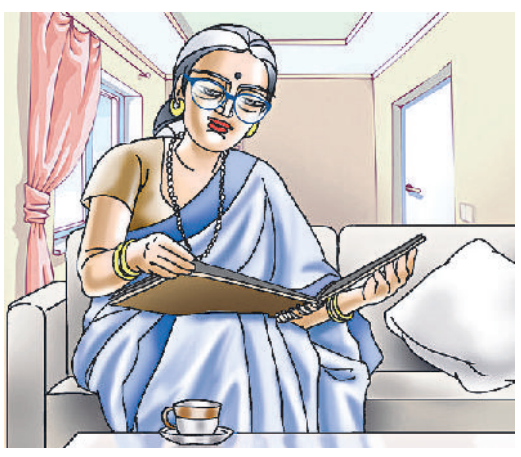

बेचैनी और घबराहट भरी खाली-खाली रात के बाद सुबह आई, अलसाई सुबह। किसी काम में मन नहीं लग रहा था। बेमन से ही अपनी दिनचर्या को निभाती हुई बगीचे में लाल गुलाब, मोगरा, हरी-हरी दूब से दो बातें करने चल दीं। जल बिंदु पुष्प पंखुड़ियों पर, हरी दूब पर दमकने लगे, हवा के हल्के से झोंके के साथ मन भी बहने लगा। कमर में खोंसा हुआ मोबाइल निकाल कर, चश्मा ठीक करके एक बार फिर देखा कि कोई फोन तो नहीं...। सामने गुलमोहर पर बुलबुल अपने बच्चों को उड़ना सिखा रही थी। वे एकटक देखने लगीं और विचारों की एक लंबी कड़ी जुड़ गई... विचार श्रंखला में उलझा मन। तभी गेट बजा, जरूर 'भूरी' होगी। तंद्रा टूटी, विचारों का ताना-बाना विच्छिन्न हो गया।

अपने सींगों से 'भूरी' गेट टनटना देती है। बिना नागा इसी समय रोटी लेने आती है यह 'भूरो', अपने भूरे रंग से गोमाता ने यह संज्ञा पा ली थी। 'भूरी' के पीछे-पीछे टॉमी भी जूली और चार बच्चों के साथ दुम हिलाते हुए पहुंच गया। सुमी रसोई घर की ओर चल दीं। रात को ही अपनी दो रोटियों के साथ भूरी और श्वान परिवार के लिए भी रोटियां बनाकर रख लेती हैं।

भूरी के सिर पर हाथ फेर, टॉमी को पुचकार वे कमरे में आराम कुर्सी पर बैठ गईं। चाय ठंडी हो गई थी, दो घूंट में गटक ली फिर मोबाइल उठाकर उसमें झांका, कोई मिस्ड कॉल तो नहीं? यूं भी कोई कॉल मिस न हो जाए, वे रात भर सोई ही कहां?

नाश्ता तो बनाना ही होगा, ब्लड प्रेशर की टेबलेट जो लेनी है। उदासीनता ओढ़े हुए, बेसन का घोल तैयार कर, तवे पर दो चीले बना लिए।

इससे जल्दी और सुगमता से शायद और कुछ नहीं बन सकता था। साथ ही अदरक वाली चाय भी चढ़ा ली। वे कभी भी चाय के बिना नाश्ता नहीं करती थीं। इसी बीच फिर मोबाइल में झांक आईं। पहले तो मोबाइल फोन अपने संग ही सहेजे रहती थीं, पर जब से बड़ी ने समझाया तो...। शायद मोबाइल खराब हो गया है...। ऐसा तो हो ही नहीं सकता कि मेरे चारों बच्चों में से किसी ने भी अपनी मां को फोन न किया हो।

पति के गुजर जाने के बाद बड़े-बड़े चार कमरों वाले घर में सुमी अकेली ही रहती थीं। अड़ोसी-पड़ोसी दादी की खोज-खबर लेते रहते थे। उनके अपने सरल-मृदु स्वभाव के कारण वे मोहल्ले भर की 'दादी', 'अम्मा', आंटी बन गई थीं। उनकी अपनी बिटिया की उम्र की रेणु के लिए आंटी से मां हो गई थीं।

फिर भी अपनी संतान को क्षण भर भी नहीं बिसार पातीं, बेटियां तो पराई होती हैं, परवश हैं....। अपना घर-परिवार छोड़कर बार-बार मायके कैसे आ सकती थीं, बड़ी भी और छोटी दोनों समझाती हैं। दिन में दो-तीन बार फोन पर बात कर लेती हैं, पर यह मुआ शनिवार-इतवार काम ज्यादा होता है न, नौकरी वाली हैं दोनों। एक इतवार ही तो मिलता है, उसमें भी ढेरों काम और सब की ढेरों फरमाइश है, पूरी करने में...।

बेटे से बात की थी, आठ दिन हो गए...। खाली मन और खाली हो गया।

चाय के साथ नाश्ता गटक कर, पुरानी भूरे कवर और काले पन्नों वाली एलबम लेकर बैठ गए पहला... दूसरा... तीसरा पृष्ठ... चारों बच्चे उनके साथ उन्हें घेरे हुए बैठे थे और 'छोटी' तो गोद में ही थी, बड़ा गले में बाहें डाले खड़ा था, तुनकमिजाज 'बड़ी' दाहिनी ओर मुंह फुलाए बैठी थी। गोल-मटोल 'छोटा' बलपूर्वक मां की गोद में आने की कोशिश में थोड़ी सी जगह में ही संतुष्टि पा गया था।

एक मुस्कुराहट के साथ उन्होंने अपना चश्मा उतार कर साफ किया और निगाह झांड़ू-पोछा लगाती गुड्डो पर टिक गई, पिछले पांच बरस से यही सारा काम संभाल रही है, पर उन्होंने उसे नौकरानी कभी नहीं समझा। धीरे से बोलीं, 'बेटा मेरे साथ कॉम्प्लेक्स चल न! मेरा मोबाइल ठीक कराना है। देख न, कोई फोन ही नहीं आता इसमें...' *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

कविताओं में मुगल स्त्रियां

पवन करण की कविताओं में स्त्री जीवन के बाह्य और मनोजगत की गहन छवियां पहले भी प्रकट होती रही हैं। लेकिन उनका नया कविता संग्रह 'स्त्री मुगल' इस लिहाज से और विशिष्ट है कि यह मुगलकालीन स्त्रियों पर केंद्रित एक शोधपरक काव्यात्मक दस्तावेज के रूप में सामने आया है। इसमें अनेक ऐसी मुगलकालीन महिलाओं पर मार्मिक कविताएं हैं, जिनके बारे में आम लोग प्रायः न के बराबर जानते हैं। छोटी-छोटी कविताओं के जरिए पवन ने इतिहास में कहीं विलीन हो चुकी महिलाओं को भावनात्मक शब्दांजलि देने का प्रयास किया है। कहने की जरूरत नहीं कि कवि का यह प्रयास भी ऐतिहासिक महत्व का साबित होगा। *

पुस्तकः स्त्री मुगल(कविता संग्रह), **लेखकः** पवन करण, **मूल्यः**299 रुपए,
प्रकाशकः राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

अगर आपकी है रचनात्मक लेखन में रुचि

अगर आप अपने आस-पास की बदलती दुनिया पर नजर रखते हैं। आप हटकर सोचते हैं, आपके भीतर विवेचन और लेखन की क्षमता है, आप पत्रकारिता-लेखन के प्रति प्रतिबद्ध हैं, तो जुड़िए दैनिक हरिभूमि से। हमें दिल्ली में अपने फीचर विभाग के लिए आवश्यकता है-

- वरिष्ठ उप संपादक / उप संपादक
- प्रशिक्षु उप संपादक
- हिंदी टाइपिंग में कुशल ऑपरेटर भी आवेदन कर सकते हैं।

यथाशीघ्र अपना बायोडाटा मेल करें-
E-Mail: haribhoomifeaturedep@gmail.com

हरियाणा, दिल्ली, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से एक साथ प्रकाशित

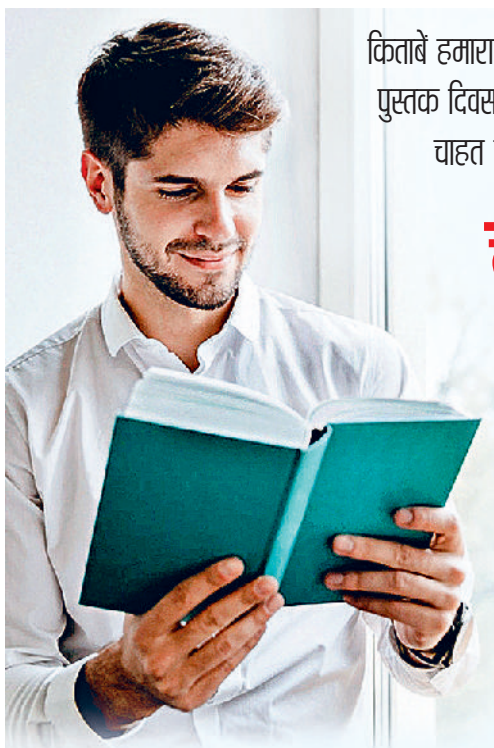

किताबें हमारा सिर्फ मनोरंजन नहीं करतीं, हमें ज्ञान नहीं देतीं बल्कि बेहतर मनुष्य होना भी सिखाती हैं। इसीलिए विश्व पुस्तक दिवस मनाया जाता है। लेकिन बीते कुछ दशकों से देश-दुनिया में लोग किताबों से दूर होते जा रहे हैं, पढ़ने की चाहत घटती जा रही है। इसकी क्या हैं वजहें, इसके दुष्परिणामों के बारे में हम सभी को पता होना चाहिए।

चलिए फिर से कर लें किताबों से दोस्ती

विशेषः विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

लाइफस्टाइल / दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'

अब से तीन दशक पहले सन 1995 में पेरिस में यूनेस्को द्वारा हर वर्ष 23 अप्रैल 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इसके पीछे का उद्देश्य ज्ञान-विज्ञान की संवाहक के रूप में पुस्तक की महत्ता के बारे में दुनिया को बताना था। अपने देश की बात करें, तो पिछली सदी में नवें दशक के पूर्वार्द्ध तक किताबें ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में अपना दखल रखती थीं। पुस्तकें हम सभी के जीवन में बहुत महत्व रखती थीं। लेकिन हाल के वर्षों में जो रीडरशिप सर्वे हुए, उससे यह तथ्य उभर कर सामने आया कि पुस्तकों के प्रति लोगों की रुचि निरंतर घटती जा रही है। बढ़ती साक्षरता दर के बीच कम होती अध्ययनशीलता, चौंकाने वाली सच्चाई है।

इसलिए बढ़ रही किताबों से दूरी

अध्ययनशीलता का विकास बचपन में ही होता है। लेकिन बाजारवाद के इस दौर में बचपन का अर्थ 'शानदार करियर के लिए संघर्ष' में सिमट गया है। इस वजह से बच्चों को विद्यालय, अभिभावक और ट्यूटरों के दबाव में अनचाहे उबाऊ पाठ्य पुस्तकों में रमना पड़ रहा है। यह स्थिति बच्चों में पुस्तकों के प्रति वितृष्णा पैदा कर देती है और वह स्वाभाविक पाठक नहीं बन पाते। यही वह 'अल्फा पीढ़ी' है, जो टीवी, मोबाइल, कंप्यूटर और इंटरनेट की दीवानी हो रही है।

किताबों का प्रभाव

वैसे इलेक्ट्रॉनिक/डिजिटल माध्यम की महत्ता से इंकार नहीं कर सकते हैं, लेकिन इनकी एक सीमा है। यह विषय के बाहरी रूप से तो परिचित करा सकते हैं, लेकिन अंतरंग का दर्शन कराने में उतना ही कमजोर हैं। इसके विपरीत किताबें हैं, जिनकी पैनी निगाह से जीवन का कोई भी रंग या आयाम अदृश्य नहीं रह पाता है। मनोविज्ञानियों का स्पष्ट मत है कि पुस्तकें सिर्फ ज्ञान और मनोरंजन का ही साधन नहीं होती हैं, बल्कि यह दिमाग चुस्त-दुरुस्त रखने का श्रेष्ठ माध्यम हैं। यह व्यक्तित्व लचीला बनाती हैं और जीने के नए-नए तरीके सिखाती हैं। दृश्य माध्यम व्यवहार के सामूहिक पक्ष को खारिज करके व्यक्तिवादी पक्ष को प्रबलित करता है। नई पीढ़ी में सामाजिक मूल्यों के प्रति घटती आस्था और स्वहित के लिए कुछ भी करने की प्रवृत्ति इसी की देन है।

विकसित हो रही दुष्प्रवृत्तियां

बच्चे, किशोर और युवा वर्ग पुस्तकों से दूर हुआ है तो इसके दुष्परिणाम भी खूब दिखने लगे हैं। किशोरों और युवाओं में हिंसा, आक्रोश, आक्रामकता, अवमानना, कामुकता जैसी प्रवृतियों की हैरतअंगेज स्तर पर वृद्धि हुई है। देश में विगत वर्षों में पुस्तक दिवस पर बुक स्टॉलों पर कुछ खास हलचल नहीं दिखती। फ्रेंडशिप-डे, वैलेंटाइन-डे जैसे मौकों पर युवावर्ग में जो उत्साह और खरीददारी की ललक दिखती है, उसका दशांश भी पुस्तक दिवस को समर्पित हो जाए तो क्या कहने!

फिर लौटें किताबों की ओर

पाठक और पठित सामग्री की एकात्मकता संस्कार निर्माण की नींव है। विद्वान विचारकों का अभिमत है कि जीवन में आस्था, विश्वास और मूल्यों की स्थापना की सशक्त स्रोत पुस्तकें ही हैं और यही रहेंगी। इसका विकल्प कोई अन्य माध्यम नहीं बन सकता। प्राचीन विचारकों ने तो यहां तक कहा है कि पुस्तक जहां रखी होती है, वह स्थान विचारों, सिद्धांतों और अवधारणाओं का संगम होता है। हमारी दिमागी क्षमता के लिए पुस्तकें उपयोगी पोषक तत्वों जैसा काम करती हैं। संभवतः इसीलिए कहा गया है कि पुस्तकें इंसान की सबसे अच्छी दोस्त होती हैं। इस दृष्टि से हमारी दिनचर्या में किताबों की वापसी हमारी प्राथमिकता बननी चाहिए।

हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि सूचना क्रांति के इस दौर और इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की चकाचौंध के बीच भी शब्दों की महत्ता न घटी है और न घटेगी। क्योंकि शब्द ही हैं, जो हमें जहां हम हैं, उससे आगे निकलने की राह दिखाते हैं। शब्दों की इसी महत्ता को रेखांकित करके किताबों को पुनः जनाधार देने का उपक्रम है, 'विश्व पुस्तक दिवस।' मगर इस उद्घोषणा का महत्व तभी होगा, जब देश के पुस्तक बाजार में इसको लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया दिखेगी।

पुस्तकों के प्रति घटती जनरुचि के संदर्भ में अकसर उसकी कीमत को दोष दिया जाता है। लेकिन तीन-चार हजार का जूता खरीदने या दोस्तों के साथ फास्ट फूड पार्टी में हजारों रुपए खर्च करने वालों को चार-पांच सौ रुपए की किताबें क्यों महंगी लगती हैं, यह समझ से परे की बात है। वास्तव में मामला महंगाई का नहीं, प्राथमिकता का है। हम महंगे उपहार देते हैं, उसमें एक-दो पुस्तकें क्यों नहीं शामिल की जा सकती हैं? यह महत्वपूर्ण आयोजन तब तक अर्थहीन है, जब तक हम पुस्तकों की तरफ नहीं लौटेंगे। अगर हम संकल्प लें कि रोज कुछ न कुछ पढ़ना है तो इससे बच्चे और किशोर भी प्रेरित होंगे। एक बार यह सिलसिला चल निकलने की देर है, फिर किताबें अपना पुराना मुकाम प्राप्त कर लेंगी। *

ऐसे पड़ी पुस्तक दिवस की नींव

पश्चिमी देशों में पुस्तकें पढ़ने का चलन पिछली सदी में काफी पहले से कम होने लगा था। वहां नवें दशक तक आते-आते युवा वर्ग के व्यवहार में कई तरह के नकारात्मक परिवर्तन दिखने लगे थे। शिक्षाविदों और समाजशास्त्रियों के दबाव में कई सर्वेक्षण हुए, जिससे पता चला कि नई पीढ़ी में किताब पढ़ने की आदत एकदम कम हो गई थी। ज्ञान और मनोरंजन के क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया बढ़त बना चुके थे। इसलिए उनके व्यावहारिक जीवन में संवेदना, आत्मनियंत्रण और धैर्य का स्तर काफी कम हो गया था। सर्वेक्षणों से यह निष्कर्ष भी निकला कि जो किशोर साहित्य नहीं पढ़ते, कंप्यूटर खेलों और छोटे पर्दे के साथ अपना समय निकाल देते हैं, वे संवेदना, सौंदर्यबोध और कल्पना के मामले में कमजोर हो जाते हैं। एक तरफ युवा वर्ग में मूल्यों का संकट बढ़ रहा था तो दूसरी ओर पुस्तकों के अस्तित्व पर खतरे के बादल मंडरा रहे थे। इस बात से चिंतित स्पेन की सरकार ने किताबों के पक्ष में सकारात्मक माहौल बनाने की दृष्टि से 'यूनेस्को' को एक प्रस्ताव भेजा। इसके पूर्व 'अंतरराष्ट्रीय प्रकाशक संघ' भी पुस्तकों के घटते जनाधार को संभालने के लिए यूनेस्को को आगे लाने का प्रयास कर चुका था। परिणामस्वरूप विचार-विमर्श के बाद विलियम शेक्सपियर और स्पेन के लोकप्रिय लेखक मीगुयेल डी सर्वेंटाइन की पुण्यतिथि 23 अप्रैल को प्रतिवर्ष 'विश्व पुस्तक दिवस' के रूप में मनाने का फैसला लिया गया।

सीख लें कुछ नया संवर उठेगा जीवन

अनेक अध्ययनों से सिद्ध हुआ है कि नई-नई स्किल सीखने से जीवन में नयापन, सकारात्मकता आती है और सफलता की नई राह खुलती है। 21 अप्रैल विश्व नवाचार और रचनात्मकता दिवस पर हम बता रहे हैं, नई स्किल सीखने के फायदे।

सेल्फ इंप्रूवमेंट

अंजू जैन

नयापन हर किसी को भाता है। इसकी वजह है कि हम सब दैनिक उपयोग की पुरानी चीजों, पुराने कपड़ों, पुराने फैशन और पुराने रूटीन से कई बार ऊब जाते हैं और जिंदगी में कुछ नयापन चाहते हैं। नवाचार और रचनात्मकता हमें उत्साह और ऊर्जा तो देती ही है, हमें इनसे आंतरिक खुशी, आत्मविश्वास और जीवन में नई सफलताएं भी मिलती हैं। आप भी चाहें तो कोई नई स्किल सीखकर जिंदगी में नई ताजगी ला सकते हैं, नई राह खोल सकते हैं।

वाद्य यंत्र बजाना

दुनिया में कई शोध हो चुके हैं, जिनके नतीजे बताते हैं कि वाद्य यंत्र बजाने से मनोरंजन के साथ-साथ बौद्धिक क्षमता भी बढ़ती है। मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञ कहते हैं, वाद्य यंत्र सुनने से ही नहीं बजाने से भी मन को सुकून मिलता है। इससे अवसाद, तनाव और उदासी से भी मुक्ति मिलती है। साथ ही जो विद्यार्थी वाद्य यंत्र बजाते हैं या सुनते हैं उनकी मेमोरी शार्प होती है और पढ़ाई-लिखाई में एकाग्रता भी बढ़ती है।

नई भाषा सीखना

आज दुनिया एक ग्लोबल विलेज बन चुकी है। इंटरनेट के जरिए या फिर वास्तविक रूप में भी दुनिया के विभिन्न हिस्सों तक हमारी पहुंच आसान हो चुकी है। हम विदेशों में अपने दोस्त बना रहे हैं, पर्यटन करने या पढ़ने के लिए विदेश जा रहे हैं और विदेश से व्यापार भी खूब हो रहा है। ऐसे में विदेशी भाषा सीखना बेहद फायदेमंद होगा। मनोविज्ञानियों का कहना है कि एक से ज्यादा भाषा सीखने वालों की बौद्धिक क्षमता, याददाश्त और एकाग्रता का स्तर बढ़ जाता है। साथ ही यह एक अतिरिक्त योग्यता भी होगी और विदेश में स्टडी या जॉब भी आसान बनाएगी।

स्पीड रीडिंग

हो सकता है, आप सोच रहे हों कि रीडिंग भी भला सीखने की चीज है? लेकिन स्पीड रीडिंग वाकई एक उपयोगी स्किल है। इसमें आप जल्दी-जल्दी पढ़ना और पढ़े हुए को आत्मसात करना सीखते हैं। इससे आपका समय बचता है और आप कम समय में ज्यादा पढ़ सकते हैं। जाहिर है, इससे छात्रों को स्टडी में काफी फायदा होगा। इस कला में आप किसी लेख, कहानी या टेक्स्ट के बिंदु बनाने और उसे संक्षेप में लिखकर या चंद वाक्यांशों में लिखकर याद करने की कला भी सीख सकते हैं।

आर्ट ऑफ जगलिंग

आपने किसी सर्कस या टीवी शो में जोकर को एक साथ कई गेंदों को ऊपर उछाल कर दोनों हाथों से एक-एक कर पकड़ना और फिर से उछालने का कमाल देखा होगा। यह कला जगलिंग कहलाती है। जगलिंग सीखने और इसका अभ्यास करने से बौद्धिक क्षमता और एकाग्रता बढ़ती है।

कुकिंग आर्ट

उम्र का बंधन किसी भी स्किल को सीखने के लिए नहीं होता है। आज की तारीख में दुनिया में कई बुजुर्ग ही नहीं बच्चे भी लजीज व्यंजन न सिर्फ पका रहे हैं बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सिखाकर सेलिब्रिटी शेफ जैसा दर्जा पा चुके हैं। हेल्दी और सेफ कुकिंग एक कला है, जो आपको डिसिप्लींड और ऑर्गेनाइज्ड रहना सिखाती है। साथ ही आपको टीमवर्क, माइंडफुलनेस प्लानिंग और हेल्थ कॉन्शस होना भी सिखाती है।

डिजिटल स्किल

दुनिया पूरी तरह डिजिटल हो चुकी है। कम्युनिकेशन, पढ़ाई, लिखाई, काम-काज, पेमेंट लेना या देना या शॉपिंग लगभग सब कुछ डिजिटल हो चुका है। जाहिर है, आज की दुनिया में आपको एक समझदार और सजग नागरिक बनना हो या करियर की राह पर सफल होना हो तो आपकी डिजिटल स्किल का लेवल बढ़िया होना चाहिए। संभव हो तो आपको कोडिंग भी सीखनी चाहिए। इससे आपकी टेक्नोलॉजी की समझ बढ़ेगी और प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल भी इंप्रूव होगी। *

बहुत मुश्किल नहीं डर को हराना

किसी न किसी चीज या स्थिति से डर तो सबको लगता है। लेकिन कुछ मनोवैज्ञानिक तरीकों से अपने डर को हराया जा सकता है। यकीन मानिए, ऐसा करना बहुत कठिन भी नहीं है।

साइकोलॉजी / विवेक कुमार

डर कितना ही बड़ा क्यों न हो, उस पर जीत पाई जा सकती है, बस उसके लिए हमें कुछ मनोवैज्ञानिक तौर-तरीकों से गुजरना होता है। वैसे डर को लेकर समाज में बहुत गलत धारणाएं फैली हुई हैं। आमतौर पर लोगों का मनोविज्ञान यह है कि डरपोक लोगों को डर ज्यादा लगता है और बहादुर लोग डरते नहीं। यह सही बात नहीं है। डर एक जन्मजात और शरीर की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। इसका हमारे हिम्मती या गैरहिम्मती होने से कोई लेना-देना नहीं होता बल्कि अगर कोई व्यक्ति डरता है तो इसका मतलब यह है कि उसके शरीर में स्वाभाविक प्रतिक्रिया हो रही है। लेकिन जैसे हर चीज की एक सीमा होती है, डर की भी एक सीमा होती है। अगर डर उस सीमा के आगे बढ़ जाए तो वह डर नहीं रहता। इसलिए सीमा से आगे बढ़ा हुआ डर नुकसानदायक होता है और उसके निवारण की जरूरत होती है।

संभव है डर से छुटकाराः जब भी डर के बारे में सोचें तो यह मानकर चलें कि डर कितना ही बड़ा और जटिल क्यों न हो, उससे छुटकारा पाना संभव है। हम सब बचपन में अंधेरे से डरते हैं, कॉकरोच से या छिपकली से डरते हैं। ऊंचाई से भी डरते हैं और ये सिर्फ बच्चों की बात नहीं है, बड़े होने पर भी बहुत लोग इन सब चीजों से डरते हैं। लेकिन अगर इन सभी चीजों को धीरे-धीरे प्रैक्टिस से समझें तो डर दूर हो जाता है। दरअसल, डर से हमारी मुलाकात जन्म लेते ही हो जाती है। पैदा होने के बाद से ही किसी भी शिशु में असुरक्षा की भावना आ जाती है। भूख लगने पर वह जोर-जोर से रोने लगता है। रोना दरअसल, उसकी असुरक्षा की अभिव्यक्ति है। इसलिए जब भी उसे भूख लगती है, वह रोने लगता है। लेकिन पेट भरा होने पर नहीं रोता। ऐसे ही बिस्तर गीला हो जाने पर भी रोता है, लेकिन गीले बिस्तर से मां उठा ले तो वह चुप हो जाता है। यानी, हम जैसे ही अपने सुरक्षातंत्र में पहुंच जाते हैं, भय खत्म हो जाता है।

ऐसे मिलेगी भय से मुक्तिः किसी भी डर से छुटकारा वैज्ञानिक तरीके की परवरिश से ही मिलती है। जैसे हम अंधेरे में डरते और अंधेर में उजाला हो जाए तो डर दूर हो जाता है। ठीक इसी तरह हमारा कमजोर दिल-दिमाग जिन सवालों के जवाब नहीं ढूढ़ पाता है, उससे हमें डर लगता है। इसमें मां-बाप की भी भूमिका होती है। अकसर मां-बाप छोटे बच्चों को शरारत न करने के लिए छोटी-छोटी बातों से डराते रहते हैं। जैसे-बाबा आएगा और झोली में डालकर ले जाएगा। छोटे बच्चे इस वजह से किसी भी अंजान व्यक्ति को देखते ही डर जाते हैं। लेकिन बड़े होने पर पता चलता है कि उनका डर बेबुनियाद था। इसलिए बच्चों की परवरिश में ऐसी झूठी बातों के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

अधिकांश होता है भविष्य का डर : डर आमतौर पर भविष्य से जुड़ा होता है। मैं लिफ्ट में जाऊंगा तो कहीं फंस ना जाऊं। मैं मीटिंग में सबके सामने बोलूंगा तो कहीं गलती तो नहीं हो जाएगी, लोग मुझ पर हंसेंगे तो नहीं। ये ऐसे डर हैं, जो आमतौर पर हम सबको लगते हैं और हम इनके बारे में सोच-सोचकर डरते रहते हैं। अगर हमारे मन में किसी तरह के संक्रमण की आशंका बैठ जाए, तो एक छींक आते ही हम बहुत डर जाते हैं, लगता है हमें इस संक्रमण ने जकड़ लिया। इंटरव्यू देने जाते वक्त हम इसलिए डर जाते हैं कि हमारे मन में ऐसे सवालों की चेन चलती रहती है, जो सवाल अभी तक हमसे न तो पूछ गए हैं और हो सकता कभी न पूछे जाएं। खुद ही हम इंटरव्यू देने जाने के समय डर जाते हैं। हम या तो बिना किसी वजह के डरते हैं या राई का पहाड़ बना लेते हैं। अगर हमारे मन में यह भाव मजबूती से बैठा हो कि जब कोई बात सामने आएगी, तब देखी जाएगी, तो हमें भविष्य से कभी डर ही नहीं लगेगा।

डर की कल्पना से बचें: मन बहुत कल्पनाशील होता है, इसलिए मामूली चीजें भी कई बार बहुत बड़ी समस्या बन जाती हैं। खतरा न होते हुए भी खतरे की घंटी सुनाई पड़ने लगती है। तभी तो मन रस्सी को कल्पना करते ही सांप समझ लेता है। दूसरी तरफ जो कल्पना से नहीं डरता, जिसमें डरावनी भावनाएं नहीं होतीं वो डरावनी परिस्थिति का भी जमकर मुकाबला करता है। मतलब यह कि डर जितना होता है, उससे कहीं ज्यादा हमारी कल्पना से बढ़ जाता है। इसलिए डर की कल्पना से बचना चाहिए। *

खास मुलाकात

पूजा सामंत

अपने दौर की स्टार हीरोइन मीनाक्षी शेषाद्रि, शादी बाद अमेरिका में सेटल हो गई थीं। वह सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं, फिर से फिल्मों में काम करेंगी। मीनाक्षी अब किस तरह के रोल करना चाहेंगी? फिल्म इंडस्ट्री में वह क्या बदलाव देख रही हैं? क्या वह ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी काम करना पसंद करेंगी? मीनाक्षी शेषाद्रि से बहुत खुलकर बातचीत।

मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे : मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी शेषाद्रि ने मनोज कुमार निर्मित फिल्म 'पेंटर बाबू' से 1983 में फिल्मों में कदम रखा था। उसी वर्ष मीनाक्षी की जैकी श्रॉफ के साथ निर्माता-निर्देशक सुभाष घई की फिल्म 'हीरो' रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने मीनाक्षी और जैकी को रातों-रात स्टार बना दिया। इसके बाद मीनाक्षी ने कई सुपरहिट फिल्में दीं। उन्होंने अमिताभ बच्चन, धर्मेंद्र, जितेंद्र, ऋषि कपूर, गोविंदा, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना, शत्रुघ्न सिन्हा जैसे नामी स्टार्स के साथ काम किया। 1995 में मीनाक्षी ने इंवेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूरे के साथ विवाह कर लिया और उनके साथ अमेरिका में सेटल हो गईं। सत्ताइस वर्षों बाद वह भारत लौटी हैं। उन्होंने एक फिल्म साइन की है। पेश है मीनाक्षी शेषाद्रि से हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

आपकी शुरुआती दो फिल्मों ने रिलीज के चालीस वर्ष पूरे कर लिए हैं। विवाह के बाद आप अमेरिका में सेटल हुईं। आपकी बॉलीवुड में वापसी पूरे सत्ताइस वर्षों के बाद हो रही है। अपने कमबैक को लेकर आप क्या कहेंगी?

हां, 'पेंटर बाबू' और 'हीरो' मेरी ये दोनों फिल्में 1983 में रिलीज हुई थीं। इनके चार दशक पूरे होने की मुझे बहुत खुशी है। फिल्म 'हीरो' ने मुझे स्टारडम दिलाया। फिल्म 'पेंटर बाबू' मुझ जैसी न्यूकमर को लाइमलाइट में लाई। इसके बाद राजकुमार संतोषी जी की 1993 में फिल्म 'दामिनी' रिलीज हुई थी, उसके बाद 1996 में 'घातक' रिलीज हुई। मेरे करियर की ये आखिरी दो फिल्में थीं। 1995 में मेरी शादी हुई फिर मैं अपने वैवाहिक जीवन में बिजी हो गई। बेटी केंद्रा, जो इस वक्त पचीस वर्ष की है, पढ़-लिखकर जॉब कर रही है। बेटा जोश इक्कीस वर्ष का है। उसने अपनी पढ़ाई अभी-अभी पूरी की है। कुल मिलाकर एक मां, एक पत्नी और गृहिणी के रूप में मैंने अपना दायित्व संतोषजनक ढंग से निभाया। जब मैं विवाह के बाद अमेरिका गई तो यह बात मेरे जेहन में हमेशा रही कि उम्र के किसी भी पड़ाव पर मैं अपने देश लौटकर अभिनय करना चाहूंगी। अभिनय मेरा पैशन है। यह पैशन अब पूरा करना चाहूंगी। हालांकि अपने परिवार को अमेरिका छोड़कर भारत आने का डिसीजन मेरे लिए आसान नहीं था। मैंने यह बहुत बड़ा कदम उठाया है। अब यहां मुंबई आई हूं तो परिवार को बेहद मिस भी करती हूं। देर रात मैं अपने बच्चों और परिवार से बात करती हूं।

अब आप फिल्मों में किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मैं किस तरह के किरदार निभाना चाहूंगी, यह अभी तय नहीं किया है। मैंने एक प्रोजेक्ट साइन कर लिया है, उसके बारे में अभी कुछ बता नहीं सकती। बहुत जल्द इसकी अनाउंसमेंट होगी। अब फिल्म इंडस्ट्री बहुत बदल चुकी है। फिल्मों की कहानियां और किरदार भी बहुत बदल चुके हैं। मैं ऐसे किरदार करना चाहूंगी, जो मुझे एक अलग पहचान दे। मुझे अहसास हो कि मेरा कमबैक खास है, फ्रूटफुल है। मैंने यहां काम करने के लिए खुद को सरेंडर कर दिया है। अभी तो मैं कोरी स्लेट हूं। देखते हैं, फिल्म मेकर्स मुझे किस तरह के किरदार ऑफर करते हैं। आज की एक्ट्रेसेस फिल्मों में महज शो पीस नहीं बनतीं, उनके लिए स्ट्रॉन्ग रोल लिखे जाते हैं, फिर चाहे वो फिल्म, टीवी हो या ओटीटी प्लेटफॉर्म।

आप सत्ताइस साल बाद भारत लौटी हैं। इंडस्ट्री में आप किन बदलावों को महसूस कर रही हैं?

सबसे बड़ा और सुखद बदलाव सेट पर वैनिटी वैन का मौजूद होना है। मेरे दौर में वैनिटी वैन नहीं होती थी। धूप, धूल में शूटिंग के बाद ड्रेस चेंज करने की कोई प्रॉपर जगह नहीं रहती थी। बड़े नामी स्टूडियोज के मेकअप रूम गंदे रहते थे। लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस दौर की अभिनेत्रियों के लिए बहुत बड़ी सुविधा है वैनिटी वैन। स्टार के पेमेंट का स्तर भी बढ़ा है। इस तरह फिल्म इंडस्ट्री का पूरा ढांचा ही बदल गया है।

ओटीटी इस वक्त फिल्मों के लिए टफ कॉम्पिटिशन बन चुका है। आप कितनी तैयार हैं ओटीटी प्लेटफॉर्म के लिए, जहां नेगेटिव रोल और स्टोरीज ट्रेंडिंग हैं?

आय एम हियर टू सरप्राइज एवरीवन! मैं नेगेटिव रोल करूंगी या नहीं, यह तो रोल पर डिपेंड करेगा, अभी से कैसे बताऊं? पॉजिटिव, नेगेटिव का कॉम्बिनेशन कर सकती हूं। ग्रे शेड्स वाले रोल भी सोच सकती हूं।

आपने बॉलीवुड के कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया, उनके साथ आपके फिल्म करने के एक्सपीरियंस कैसे रहे?

हर एक्टर के साथ मेमोरीज शेयर करने के लिए शायद एक इंटरव्यू कम पड़ जाएगा। हां, जिनके साथ मेरी बहुत बनी, वो थे विनोद खन्ना। जब वह शिखर पर थे, सब कुछ छोड़कर आचार्य रजनीश के आश्रम में चले गए, कुछ वक्त बाद वो वापस भी आए। इंडस्ट्री ने उनका स्वागत किया। उनकी वापसी के समय मुझे उनके साथ पांच-छह फिल्में करने का मौका मिला। रजनीश आश्रम से लौटे विनोद जी के पास इतना आध्यात्मिक ज्ञान हो चुका था कि उनसे बातचीत करना एक ग्रेट एक्सपीरियंस होता था। जब मेरी शूटिंग विनोद जी के साथ होती थी। मेरे पापा भी मेरे साथ आते थे, खासतौर पर उनकी आध्यात्मिक बातें सुनने। विनोद जी, मैं और पापा घंटों बतियाते थे। उनसे हमारी बहुत अच्छी मित्रता थी। गोविंदा, इंडस्ट्री के वो सितारे हैं, जो वर्सेटाइल हैं। उनसे भी हमारा बहुत प्यारा रिश्ता रहा। ऋषि कपूर जी के साथ भी मैंने पांच फिल्में कीं। वह बहुत दिलचस्प इंसान और कमाल के एक्टर थे। आज जब मैं रणबीर को देखती हूं, मुझे लगता है उनमें अपने पिता की पूरी झलक है, लेकिन पिता पुत्र में तुलना नहीं होनी चाहिए। *

भारत और अमेरिका की लिविंग स्टाइल में अंतर

यूएसए की लिविंग स्टाइल चकाचौंध भरी है। डॉलर्स में मिलने वाली सैलरी से वहां के लोगों का स्टैंडर्ड ऑफ लिविंग हाई है। वहां की लेडीज काफी फैशनेबल हैं। लगता है मानो अभी-अभी ब्यूटी पार्लर-सैलून से निकली हों। फैशन, हाई स्टैंडर्ड ऑफ लाइफ वहां एक कॉमन बात है। हां, अमेरिका में रहने का मेरे लिए फायदा यह रहा कि मैंने वहां काफी कुछ जाना-सीखा, जो मैं भारत में नहीं कर पाई थी। यहां तो मैंने फिल्मों में बतौर अभिनेत्री काम किया, जहां मेकअप, हेयर स्टाइल, डांस सिखाने के लिए सेट पर लोग होते हैं। कोई सीन कैसे किया जाए, यह बताने वाला डायरेक्टर होता है। घर पर मां-पिताजी होते हैं, जिस वजह से मैं पैंपर्ड होती रही। अमेरिका में जाने के बाद अपने परिवार के लिए खाना बनाना, ड्राइविंग सीखना, अपने फाइनेंस को मैनेज करना, ये सारे काम मैंने सीखे, जो वहां के लिए जरूरी थे। मैंने वहां स्विमिंग सीखी, जो फिटनेस के लिए थेरैपी बनी, पर्सनली मेरी ग्रोथ हुई। इस तरह वहां की रूटीन लाइफ ने मुझे इंडिपेंडेंट और बहुत स्मार्ट बनाया। भारत में होती तो शायद ये सब काम नहीं सीख पाती। एक बात की कमी मैंने वहां बहुत महसूस की, वह है अपनापन। हम सबकी मदद करें, यह अपने देश की सभ्यता-संस्कृति का हिस्सा है। भारत के लोग बिना मांगे दूसरे की मदद करते हैं। अमेरिका में किसी की मदद करने का कल्चर नहीं है। यहां तक कि वहां अपने किसी दोस्त के घर जाना है तो पहले उसकी भी अपॉइंटमेंट लेनी पड़ती है। यह सोचना पड़ता है कि कहीं उनकी प्राइवेसी में हम कोई दखलअंदाजी तो नहीं कर रहे हैं। मैं भारत में अपनी किसी भी सहेली के घर कभी भी जा सकती हूं। हक के साथ कह सकती हूं, 'चल, यार एक कप चाय पिला।' मैं अमेरिका में इंडियन लाइफस्टाइल, यहां की खुशमिजाजी, मददगार लोग बहुत मिस करती हूं।